हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, रविवार 24 मई 2026

11 सरकार के खिलाफ ग्रामीण सफाई कर्मियों का प्रदर्शन जारी

12 पानी की किल्लत से त्रस्त लोगों ने किया रोड जाम...

बरसात से सुबह मिली मामूली राहत तो दोपहर में फिर तपे

तापमान में 3 डिग्री की गिरावट, 29 मई को आंधी-बारिश के आसार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

पिछले कई दिनों से भीषण गर्मी और लू की मार झेल रहे फतेहाबाद जिले के लोगों को शनिवार सुबह आसमान से बरसती आग से थोड़ी राहत मिली। पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने के कारण सुबह अचानक आसमान में बादल छा गए और कुछ स्थानों पर मामूली बौछारें भी गिरीं। हालांकि, इस राहत का असर महज एक घंटे तक ही सीमित रहा, लेकिन इससे तापमान में करीब तीन डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट दर्ज की गई, जिससे भीषण गर्मी से झुलस रहे लोगों को थोड़ी देर के लिए सुकून जरूर मिला। मौसम विभाग ने पहले ही इस बदलाव की भविष्यवाणी कर रखी थी, लेकिन सुबह की आंशिक राहत के बाद दोपहर होते-होते मौसम ने फिर करवट ली और दिन का अधिकतम तापमान एक बार फिर 41 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। दोपहर में धूप के वही तीखे तेवर और गर्म हवाएं बरकरार रहीं।

मौसम का प्रकोप

फतेहाबाद। शहर में शनिवार सुबह हुई हलकी बूंदाबांदी।

राजस्थान के थार से आ रही पूर्वी हवाओं ने बढ़ाई मुश्किलें

जिले में पिछले कई दिनों से आसमान से लू बरस रही है। राजस्थान के थार मरुस्थल की ओर से आ रही गर्म हवाओं के कारण लगातार आंधी और उड़ती धूल की समस्या से लोगों को दो-चार होना पड़ रहा है। लगातार बढ़ती तपिश के कारण दिन का पारा जहां 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था, वहीं रात के समय भी गर्म हवाएं थमने का नाम नहीं ले रही थीं, जिससे रात का न्यूनतम तापमान भी 30 डिग्री के पार चला गया था। हालांकि शनिवार को मौसम में आए आंशिक बदलाव के चलते यहां का अधिकतम तापमान 41 डिग्री और न्यूनतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

27 मई तक फिर सताएगी गर्मी

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के मौसम विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. मदनलाल खीचड़ ने बताया कि प्रदेश में 24 मई से 27 मई के दौरान मौसम आमतौर पर शुष्क और बेहद गर्म रहने की संभावना है। इस अवधि के दौरान तेज गर्म हवाएं चलने के कारण दिन के तापमान में एक बार फिर बढ़ोतरी दर्ज की जा सकती है। राहत की बात यह है कि आगामी 29 मई को एक और नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने जा रहा है। इसके प्रभाव से जिले में तेज आंधी चलने और बारिश होने की पूरी संभावना है, जिससे तापमान में 6 से 7 डिग्री सेल्सियस तक की बड़ी गिरावट आ सकती है और लोगों को इस भीषण गर्मी से बड़ी राहत मिल सकती है।

खबर संक्षेप

हेरोइन तस्करी का मुख्य सप्लायर गिरफ्तार

फतेहाबाद। नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत शहर थाना रतिया पुलिस को सफलता मिली है। पुलिस ने हेरोइन तस्करी के एक मामले में कार्रवाई करते हुए मुख्य सप्लायर को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान गुरजीत सिंह उर्फ गुरजीती निवासी वार्ड नंबर 5, भूना के रूप में हुई है। थाना प्रभारी निरीक्षक पुष्पा ने बताया कि 7 फरवरी को पुलिस टीम ने गश्त के दौरान शिमलापुरी कॉलोनी रोड पर थी इसी दौरान कार्रवाई की गई।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को लेकर बैठक

रतिया। पतंजलि योग समिति की बैठक टिब्बा कालोनी स्थित श्री राम आश्रम शिव मंदिर प्रांगण में हुई। बैठक की अध्यक्षता तहसील प्रभारी देवीलाल चंदौरा ने की, जबकि मुख्यातिथि के तौर पर जिला प्रभारी धर्मवीर ललित उपस्थित रहे। बैठक में 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों पर विचार किया और निर्णय लिया कि 20 जून तक योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण शिविर और योग जागरूकता रैली आयोजित की जाएंगी।

छबील लगाकर बुझाई राहगीरों की प्यास

ओढां। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मिठड़ी के प्रांगण में ग्रीष्मकालीन अवकाश से पहले ठंडे मीठे पानी की छबील लगाकर सभी छात्र-छात्राओं को ठंडा मीठा जल पिलाया गया। विद्यालय इंचार्ज जितेंद्र गर्ग ने कहा कि इस तपती धूप व लूं में प्रत्येक प्राणी को जल की आवश्यकता पड़ती है और हमें किसी न किसी रूप में जल उपलब्ध करवा कर उनकी प्यास बुझाने का प्रयास करना चाहिए।

इग्नू स्टडी सेंटर में इंडक्शन मीट आज

सिरसा। राजकीय महिला महाविद्यालय सिरसा में संचालित इग्नू अध्ययन केंद्र में 24 मई को इंडक्शन मीट आयोजित की जाएगी। इग्नू अध्ययन केंद्र के कोऑर्डिनेटर डॉ. विक्रमजीत सिंह ने बताया कि जनवरी 2026 में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए इंडक्शन मीट का आयोजन 24 मई को महाविद्यालय में किया जाएगा।

ग्रीवेंस मीटिंग में मंत्री कृष्ण बेदी का कड़ा रुख

शिकायतकर्ता गायब होने पर भड़के मंत्री, बोले- क्या हम फालतू हैं

1 पीलीमंदौरी और बड़ोपल में पाइप लाइन की समस्या पर अधिकारियों को लगाई फटकार

2 कांग्रेस विधायक को मंत्री ने दी 'जादू की झप्पी', राजनीतिक गलियारों में बनी चर्चा का विषय

3 अवैध स्कूल मामले में दिया अल्टीमेटम, खुला मिला तो डीईईओ होंगे सस्पेंड

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

हरियाणा के सामाजिक न्याय, अधिकारिता, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री कृष्ण कुमार बेदी की अध्यक्षता में शनिवार को स्थानीय डीपीआरसी भवन में जिला लोक संपर्क एवं परिवेदना समिति की बैठक आयोजित की गई। करीब 10 महीने बाद किसी मंत्री की उपस्थिति में हुई इस बैठक में कुल 12 मामले रखे गए, जिसमें से 7 पर सुनवाई हुई, 4 मामलों में शिकायतकर्ता हाजिर नहीं हुए, जिस पर मंत्री का बेहद सख्त रुख देखने को मिला, जहां उन्होंने लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों को फटकार लगाई। बैठक में राजनीतिक सौहार्द की एक दिलचस्प तस्वीर भी सामने आई। दरअसल बैठक में सत्तापक्ष का विधायक था नहीं, रतिया व टोहाना से कांग्रेस विधायक मौजूद रहे और मंत्री दोनों विधायकों से अपनेपन से मिलते नजर आए।। बैठक के दौरान शिकायतकर्ता गायब होने पर मंत्री एक्सईएन पर भड़क उठे और कहा कि क्या हम फालतू हैं। उसके पास इतना भी समय नहीं है कि आकर अपनी बात बताए।

फतेहाबाद। जन सुनवाई करते सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी।

दागे सवाल पर सवाल

बैठक में गांव पीलीमंदौरी के निवासियों द्वारा पेयजल समस्या उठाए जाने पर मंत्री पब्लिक हैल्थ के एक्सईन बीएस नैन पर सवाल पर सवाल दागे। दरअसल मंत्री ने यह पूछा कि गांव में पीने के पानी में सेमग्रस्त पानी मिलकर आ रहा है। 30 साल पुरानी पाइन लाइन कंडम हो चुकी है, जगह-जगह टूटी हुई है तो गांव में पानी कैसे सप्लाई किया जा रहा है। जब एक्सईन बात को टालते नजर आए तो कृष्ण बेदी ने कहा कि क्या आपने पानी का टीडीएस चैक करवाया। बीएस नैन फिर बोले कि पान की पाइप लाइन 6 करोड़ 72 लाख की लागत से स्वीकृत हो चुकी है और 18 मई को इसके टेंडर भी हो गए हैं। मंत्री फिर भडके और कहा, तीन साल हो गए पाइप लाइन नहीं डल रही। बाद में मंत्री ने उन्हें तुरंत अस्थाई व्यवस्था कर पानी सप्लाई के निर्देश दिए।

पब्लिक को करते हैं परेशान

बिजली बोर्ड के एक मामले में कृष्ण बेदी काफी सख्त नजर आए। उन्होंने निगम के एसई एसएस राय को बुलाकर सवाल किया कि उन्हें पता चला है कि आपके एलएम, एएलएम, जेई टोल फ्री नंबर नहीं उठाते, उनका जनता के प्रति व्यवहार ठीक नहीं है। पब्लिक को परेशान करते हैं। आजकल लोड बढ़ा हुआ है, बिजली की सप्लाई दे नहीं पा रहे और न ही पब्लिक को संतोषजनक जवाब दे रहे हैं। उन्होंने एक बारगी हंसते हुए कहा कि गर्मी के कारण दिमाग गर्म है, इसलिए दिमाग को ठंडा रखे। पब्लिक को बिजली सप्लाई और शिकायतों को दूर करना सुनिश्चित करें।

क्या शिकायतकर्ता के पास समय नहीं

बिजली निगम से जुड़ी एक शिकायत की सुनवाई के दौरान जब शिकायतकर्ता गांव ढाणी सांचला निवासी सुरेंद्र सिंह बैठक में नहीं पहुंचा, तो मंत्री कृष्ण कुमार बेदी का गुस्सा फूट पड़ा। उन्होंने बिजली निगम के एक्सईएन कृष्ण कुमार को आड़े हाथों लेते हुए कहा मैं चंडीगढ़ से चलकर आया हूं, पूरा प्रशासनिक अमला यहां बैठा है और अगला संतुष्ट होकर घर बैठा है। क्या हम फालतू हैं। उसके पास इतना भी समय नहीं है कि आकर अपनी बात बताए।

अवैध स्कूल पर अधिकारी को फटकार

गांव बनमंदोरी निवासी राकेश कुमार ने शिकायत दर्ज कराई कि उनके गांव में पिछले तीन-चार साल से बिना मान्यता के एक अवैध स्कूल चल रहा है। इस पर जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी अनीता बाई ने जवाब दिया कि उक्त स्कूल को बंद करवा दिया गया है। तभी शिकायतकर्ता ने दावा किया कि स्कूल आज भी खुला है। इस पर मंत्री ने डीईईओ को तुरंत मौके पर जाने के आदेश देते हुए कहा, अभी गांव जाकर जांच करो। अगर स्कूल खुला मिला तो आपको सस्पेंड किया जाएगा।

कांग्रेस विधायक का किया स्वागत

बैठक के दौरान राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बनी एक घटना भी सामने आई। बैठक में रतिया से कांग्रेस विधायक जरनैल सिंह मौजूद थे,

जबकि टोहाना से कांग्रेस विधायक परमवीर सिंह भी आखिरी समय पर पहुंचे। बैठक के बाद मीडिया के सामने मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कांग्रेस विधायक जरनैल सिंह को गले लगाया और 'जादू की झप्पी' दी, जो सोशल मीडिया और राजनीतिक हलकों में खूब सुर्खियां बटोर रही है। ग्रीवेंस कमेटी की बैठक चल रही थी तो टोहाना से कांग्रेस विधायक परमवीर देरी से पहुंचे। इस पर कृष्ण बेदी ने उनका खड़ा होकर स्वागत किया और कहा कि मैं तान्हु फोन करया सी, तूसी चक्यां नहीं। परमवीर ने खड़े-खड़े जवाब दिया कि , मैंनु फोन दा पता ही नहीं लग्या, तूसी फोन करयां है।

13.29 करोड़ के विकास कार्यों को मंजूरी

फतेहाबाद। हरियाणा के सामाजिक न्याय, अधिकारिता, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग ल्याण मंत्री कृष्ण कुमार बेदी की अध्यक्षता में शनिवार को जिला विकास एवं निगरानी समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला विकास योजना के तहत वर्ष 2026-27 में करवाए जाने वाले विकास कार्यों को मंजूरी प्रदान की गई। बैठक में बताया गया कि जिला में इस वर्ष डीडीएमसी के तहत विभिन्न विकास कार्यों पर 13 करोड़ 29 लाख 41 हजार रुपये खर्च किए जाएंगे। इनमें सामान्य वर्ग के विकास कार्यों के लिए 7 करोड़ 40 लाख 89 हजार रुपये तथा अनुसूचित जाति वर्ग के विकास कार्यों के लिए 5 करोड़ 88 लाख 52 हजार रुपये की राशि निर्धारित की गई है। मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सभी स्वीकृत विकास कार्य तय समय सीमा के भीतर पूरे किए जाएं ताकि किसी प्रकार की ग्रांट लैप्स न हो। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में गुणवत्ता बनाए रखना अधिकारियों की प्राथमिक जिम्मेदारी है और निर्माण कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि डीडीएमसी के तहत किए जाने वाले निर्माण कार्यों में तेजी लाई जाए तथा सकारात्मक सोच और बेहतर समन्वय के साथ कार्य किया जाए। साथ ही उन्होंने निर्देश दिए कि संबंधित अधिकारी समय-समय पर विकास कार्यों का निरीक्षण करें और यदि किसी प्रकार की समस्या सामने आती है तो तुरंत उनके संज्ञान में लाया जाए, ताकि समय रहते उसका समाधान किया जा सके।

भाजपा के प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन

फतेहाबाद। भाजपा द्वारा फतेहाबाद जिले के कार्यकर्ताओं के लिए अग्रोहा शक्ति पीठ में दो दिवसीय पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शनिवार को पहले दिन कार्यक्रम में हरियाणा सरकार के कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की, जबकि अध्यक्षता जिलाध्यक्ष एडवोकेट प्रवीण जोड़ा ने की। इस अवसर पर पूर्व कैबिनेट मंत्री देवेंद्र बबली, पूर्व विधायक दुड़ाराम और जिला प्रभारी सुरेंद्र आर्य सहित कई वरिष्ठ नेता मंच पर मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन, वंदे मातरम् और वर्ग गीत के साथ हुई। शिविर को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि कृष्ण बेदी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में भाजपा सरकार बिना किसी भेदभाव के गरीब, किसान, मजदूर, युवा और महिलाओं के कल्याण के लिए काम कर रही है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से सरकार की जनहितैषी योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने का आह्वान किया और कहा कि यह शिविर संगठन को वैचारिक रूप से मजबूत करने का एक बड़ा माध्यम है। पहले दिन विभिन्न सत्रों में वरिष्ठ नेताओं द्वारा कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित किया गया।

हत्या के मामले में छठा आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद पुलिस द्वारा अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे धरपकड़ अभियान के तहत थाना सदर रतिया पुलिस को सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने करीब दो साल पहले गांव खुंडन से लापता हुए युवक गुरदेव सिंह की हत्या के सनसनीखेज मामले में छठे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान टहल सिंह निवासी गांव नकटा, फतेहाबाद के रूप में हुई है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, आरोपी टहल सिंह फतेहाबाद सदर थाने के एक अन्य मामले में माननीय न्यायालय द्वारा भगोड़ा भी घोषित था। थाना सदर रतिया प्रभारी निरीक्षक प्रहलाद ने बताया कि मई 2024 में गांव खुंडन निवासी हरदीप सिंह ने अपने चचेरे भाई गुरदेव सिंह (30) की गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई थी। गुरदेव 1 मई 2024 को घर से अपना सरकारी पहचान पत्र ठीक करवाने की बात कहकर निकला था, लेकिन वापस नहीं लौटा। शुरुआत में पुलिस ने गुमशुदगी का मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी।

सकताखेड़ा में ट्रॉली पलटने से युवक की मौत

डबवाली। क्षेत्र के गांव सकताखेड़ा के पेट्रोल पंपों के नजदीक ट्रैक्टर ट्राली पलटने से एक युवक की मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर नागरिक अस्पताल पहुंचाया। मृतक की पहचान पंजाब के सरदूलगढ़ निवासी शरीफ सिंह के रूप में हुई है। शरीफ सिंह शनिवार को गांव सकताखेड़ा से खाद भरकर अपने एक अन्य साथी के साथ राजस्थान की ओर जा रहा था। ट्राली को भरकर जैसे ही सडक पर लेकर जाने लगे तो ट्रॉली धंस गई। शरीफ सिंह व उसका साथी ट्रॉली के टायर के नीचे से मिट्टी निकाल रहे थे तो अचानक ट्राली उनके ऊपर पलट गई।

लाखों की ठगी का आरोपी राजस्थान से पकड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

पुलिस ने सिरसा निवासी एक व्यक्ति से लाखों रुपये की साइबर ठगी करने के मामले में एक ठग को राजस्थान के सीकर क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया है। साइबर थाना प्रभारी प्रेरम कुमार ने शनिवार को बताया कि पकड़े गए आरोपी की पहचान सीकर जिले के इरफान अली के रूप में हुई है। सिरसा निवासी तविंद्र सिंह ने पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई कि उसे कंचन नामक युवती द्वारा इंस्टिट्यूशन अकाउंट के जरिए ऑनलाइन ट्रेडिंग

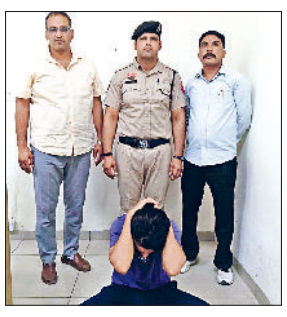

के माध्यम से अधिक मुनाफा कमाने का लालच दिया। उसे व्हाट्सएप ग्रुप मे जोड़ा गया जिसमे लोग मुनाफे के फोटो भेज रहे थे। झांसे में आकर पीड़ित ने शुरुआत में छोटे-छोटे टास्क पूरे किए। साइबर अपराधियों ने विश्वास जीतने के लिए प्रारंभिक निवेश पर दोगुनी राशि उसके खाते में वापस भेजी। इसके बाद आरोपियों ने पीड़ित को अधिक लाभ का प्रलोभन देकर बड़ी रकम निवेश करने के लिए प्रेरित किया। तविंद्र ने लालच में आकर पांच लाख 26 हजार 200 रुपये ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर निवेश कर दिए। तविंद्र ने निवेश की गई राशि निकालने के लिए भेजे गए लिंक पर क्लिक किया तो लिंक बंद हो चुका था।

टोहाना में कार-स्कूटी की टक्कर के बाद हंगामा, बच्ची को चोट लगने पर विवाद

टोहाना। शहर के मिलन चौक पर शनिवार को कार ड्राइवर ने स्कूटी को टक्कर मार दी। हादसे में स्कूटी सवार मनदीप सिंह की एक बेटी घायल हो गई। टक्कर के बाद कार ड्राइवर ने मनदीप सिंह के साथ मारपीट भी की। मनदीप अपनी दो बेटियों दमन और हरसिमरन को निजी स्कूल से घर ले जा रहे थे। मनदीप सिंह के अनुसार, मिलन चौक पर जाम लगने के कारण उन्होंने स्कूटी साइड में की थी। इसी दौरान कार ड्राइवर ने टक्कर मार दी, इससे उनकी बेटी को चोट लग गई। चोट लगने पर उन्होंने कार रोकने के लिए शीशे पर हाथ मारा, जिससे शीशा टूट गया। मनदीप ने बताया कि वह नुकसान भरने को तैयार थे, लेकिन कार ड्राइवर ने उनके कपड़े फाड़ दिए और मारपीट शुरू कर दी। शोर सुनकर आसपास के लोग जमा हो गए और पुलिस को सूचना दी। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और कार को कब्जे में लेकर ड्राइवर को थाने ले गई। घायल बच्चियों को इलाज के लिए नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया गया। जांच अधिकारी राजेश कुमार ने बताया कि स्कूटी सवार बच्चियों को कार की टक्कर से चोट लगने की सूचना मिली थी। कार ड्राइवर को हिरासत में ले लिया गया है और दोनों पक्षों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। मनदीप सिंह ने प्रशासन से आरोपी ड्राइवर के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने बताया कि स्कूल समय में मिलन चौक पर अक्सर जाम लगता है, जिससे ऐसे हादसों का खतरा बना रहता है।

गांव दड़बा कलां में निकाली साइक्लोथॉन रैली, ग्रामीणों को किया संबोधित

नशे को खत्म करने के लिए मिलकर करें प्रयास: एसपी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चोपटा

एसपी दीपक सहारण ने कहा कि नशे जैसी सामाजिक बुराई को खत्म करने के लिए हम सभी को मिलकर प्रयास करने होंगे। पंचायतों के साथ-साथ अभिभावकों को भी खुलकर सामने आना होगा, तभी हम अपने लक्ष्य को साकार कर पाएंगे। एसपी दीपक सहारण शनिवार को जिले के गांव दड़बा कलां से चोपटा तक निकाली गई साइक्लोथॉन यात्रा को हरी झंडी दिखाने से पूर्व उपस्थित युवाओं व ग्रामीणों के संबोधित कर रहे थे।

सिरसा। साइक्लोथॉन रैली में शामिल एसपी दीपक सहारण व अन्य।

समय पर करवाएं उपचार

पुलिस अधीक्षक ने कहा कि अभिभावकों को चाहिए कि अगर उनका बच्चा नशे का शिकार है तो वे समय पर उसका उपचार करवाएं, ताकि उसे समाज की मुख्य धारा में लाया जा सके। उन्होंने कहा कि अगर कोई अभिभावक अपने बच्चे के लिए स्टैंड नहीं ले सकते तो मैं उन्हें माता-पिता नहीं मानता। क्योंकि हमें शुरूआत अपने घर से ही करनी होगी। उन्होंने नशे के अवैध धंधे से जुड़े लोगों को चेतावनी देते हुए कहा कि जो गोलियों नशा छुड़वाने के लिए दी जा रही है, उन गोलियों का कुछ लोग व्यापार कर रहे हैं, जिन्हें किसी सूरत में बक्शा नहीं जाएगा।

जनजागरूकता अभियान चलाया जाएगा

इस मौके पर जिला कांग्रेस की प्रधान एवं दड़बा कलां की सरपंच संतोष बैनीवाल ने कहा कि पैंतालिसा क्षेत्र की सभी पंचायतों को साथ लेकर नशे के प्रति जनजागरूकता अभियान चलाया जाएगा। नशे जैसी सामाजिक बुराई को खत्म करने के लिए ग्रामीणों को प्रथम पंक्ति में आकर सहयोग करना होगा। नशे के सौदागरों के बारे में सूचना देकर उन्हें सलाखों के पीछे पहुंचाने में मदद करनी होगी, ताकि एक स्वस्थ व नशामुक्त समाज का निर्माण किया जा सके। इस मौके पर सूरजभान, चाडीवाल सरपंच वेदप्रकाश, कृष्ण खोथ सरपंच अरनियांवाली, बरासरी सरपंच संजय रोज, सुभाष सरपंच, मांगेराम सरपंच, ब्लॉक समिति सदस्य, जिला परिषद सदस्य महेंद्र सिंह, मनोज जोगीवाला, नंदलाल बैनीवाल, अशोक बैनीवाल सहित अन्य ग्रामीण उपस्थित थे।

बाजार में बढ़ी अनिश्चितता, निवेशकों की पहली पसंद बन रहे लिक्विड फंड

अप्रैल में लिक्विड फंड्स ने लगभग 5.5 से 6 प्रतिशत तक रिटर्न दिया

पूंजी सुरक्षित और जरूरत पड़ने पर आसानी से निकाला जा सकता है पैसा

शेयर बाजार में लगातार जारी उतार-चढ़ाव ने निवेशकों की चिंता बढ़ाई, रहना होगा अलर्ट

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

विदेशी बाजारों में तनाव, वैश्विक आर्थिक मंदी की आशंकाएं और भू-राजनीतिक घटनाक्रम निवेशकों को जोखिम लेने से रोक रहे

वैश्विक तनाव, शेयर बाजार की अस्थिरता और आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच निवेशकों का भरोसा अब सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर तेजी से बढ़ रहा है। यही वजह है कि अप्रैल 2026 में लिक्विड फंड्स में निवेश सात साल के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया। निवेशक फिलहाल जोखिम से दूरी बनाकर ऐसे विकल्प चुन रहे हैं जहां पूंजी अपेक्षाकृत सुरक्षित रहे और जरूरत पड़ने पर पैसा आसानी से निकाला भी जा सके। म्यूचुअल फंड उद्योग से जुड़े संगठन एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के आंकड़ों के अनुसार अप्रैल 2026 में लिक्विड फंड्स में शुद्ध निवेश 1.65 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया। पिछले वर्ष अप्रैल में यह आंकड़ा 1.19 लाख करोड़ रुपये था। यानी एक साल में लगभग 46 हजार करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी दर्ज की गई। यह बीते कई वर्षों में सबसे बड़ा उछाल माना जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि शेयर बाजार में लगातार जारी उतार-चढ़ाव ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है। विदेशी बाजारों में तनाव, वैश्विक आर्थिक मंदी की आशंकाएं और भू-राजनीतिक घटनाक्रम निवेशकों को ज्यादा जोखिम लेने से रोक रहे हैं। ऐसे माहौल में लोग अपने निवेश को सुरक्षित रखने के लिए लिक्विड फंड्स का सहारा ले रहे हैं।

बैंकिंग सिस्टम में बढ़ी नकदी बनी बड़ी वजह

विशेषज्ञों के अनुसार इस बढ़ोतरी के पीछे बैंकिंग सिस्टम में मौजूद अतिरिक्त नकदी भी अहम कारण रही। अप्रैल के दौरान बैंकिंग सिस्टम में अतिरिक्त नकदी 2 लाख करोड़ से 5.5 लाख करोड़ रुपये के बीच रही, जबकि पिछले साल यह आंकड़ा काफी कम था। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की नीतियों और बाजार में पर्याप्त लिक्विडिटी बनाए रखने के प्रयासों का असर भी साफ दिखाई दिया। बैंकों और कंपनियों के पास अतिरिक्त नकदी रही, जिसे उन्होंने बेहतर रिटर्न और सुरक्षित पार्किंग के लिए लिक्विड फंड्स में निवेश किया।

कम जोखिम में बेहतर रिटर्न का आकर्षण

लिक्विड फंड्स में बढ़ती दिलचस्पी की एक और बड़ी वजह इनका अपेक्षाकृत बेहतर रिटर्न रहा। अप्रैल में लिक्विड फंड्स ने लगभग 5.5 से 6 प्रतिशत तक का रिटर्न दिया, जबकि ओवरनाइट दरें लगभग 5 प्रतिशत के आसपास रहीं। इसके अलावा सर्टिफिकेट ऑफ डिपॉजिट (सीडी) की ब्याज दरें 6.5 प्रतिशत से 7.5 प्रतिशत तक पहुंचीं, जिसने निवेशकों को आकर्षित किया। ऐसे में कम जोखिम के साथ थोड़े बेहतर रिटर्न की तलाश कर रहे निवेशकों के लिए लिक्विड फंड्स एक बेहतर विकल्प बनकर उभरे। विशेषज्ञ मानते हैं कि जब शेयर बाजार में अस्थिरता बढ़ती है, तब निवेशक पूंजी बचाने को प्राथमिकता देते हैं। ऐसे समय में इक्विटी निवेश की तुलना में लिक्विड फंड्स ज्यादा सुरक्षित माने जाते हैं क्योंकि इनमें पैसा कम अवधि वाले डेट इंस्ट्रूमेंट्स में लगाया जाता है।

आखिर क्या होते हैं लिक्विड फंड्स

लिक्विड फंड्स डेट म्यूचुअल फंड की श्रेणी में आते हैं। ये निवेशकों का पैसा ट्रेजरी बिल्स, सरकारी प्रतिभूतियों, कॉल मनी और अन्य शॉर्ट टर्म मार्केट इंस्ट्रूमेंट्स में निवेश करते हैं। इन फंड्स की खासियत यह होती है कि इनमें निवेश की मैच्योरिटी अवधि बहुत कम होती है। आमतौर पर ये 91 दिनों तक की अवधि वाले साधनों में निवेश करते हैं। इसी कारण इनमें जोखिम अपेक्षाकृत कम माना जाता है और जरूरत पड़ने पर निवेशक आसानी से पैसा निकाल सकते हैं। यही वजह है कि कम समय के लिए पैसा पार्क करने वाले निवेशक लिक्विड फंड्स को पसंद करते हैं। उदाहरण के तौर पर अगर किसी व्यक्ति को दो-तीन महीने बाद बच्चों की फीस जमा करनी हो, यात्रा पर जाना हो या कोई अन्य छोटा वित्तीय लक्ष्य पूरा करना हो, तो वह रकम लिक्विड फंड में रख सकता है।

सेविंग अकाउंट से बेहतर विकल्प क्यों

वित्तीय विशेषज्ञों का मानना है कि लिक्विड फंड्स कई मामलों में सेविंग अकाउंट से बेहतर साबित हो सकते हैं। बैंक सेविंग अकाउंट में जहां ब्याज दरें सीमित रहती हैं, वहीं लिक्विड फंड्स थोड़े बेहतर रिटर्न देने की क्षमता रखते हैं। इसके अलावा इनमें निवेश और निकासी की सुविधा भी काफी आसान होती है। हालांकि यह ध्यान रखना जरूरी है कि लिक्विड फंड्स पूरी तरह जोखिम मुक्त नहीं होते, लेकिन अन्य म्यूचुअल फंड श्रेणियों की तुलना में इनमें जोखिम कम माना जाता है।

निवेशकों को क्या रखना चाहिए ध्यान

विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि लिक्विड फंड्स को लंबी अवधि के निवेश विकल्प के तौर पर नहीं देखना चाहिए। ये मुख्य रूप से कम अवधि की जरूरतों और अस्थायी निवेश के लिए बेहतर माने जाते हैं। अगर निवेशक लंबी अवधि में ज्यादा रिटर्न चाहते हैं, तो इक्विटी या हाइब्रिड फंड्स बेहतर विकल्प हो सकते हैं। वहीं जिन लोगों को कुछ महीनों के लिए सुरक्षित निवेश चाहिए, उनके लिए लिक्विड फंड्स उपयोगी साबित हो सकते हैं। इसके साथ ही निवेशकों को किसी भी फंड में निवेश करने से पहले उसकी रेटिंग, पोर्टफोलियो गुणवत्ता, एक्सपेंस रेशियो और फंड हाउस की विश्वसनीयता जरूर जांचनी चाहिए।

सुरक्षित निवेश की ओर बढ़ता रुझान

वर्तमान आर्थिक माहौल यह संकेत दे रहा है कि निवेशक अब केवल ऊंचे रिटर्न नहीं, बल्कि सुरक्षा और स्थिरता को भी प्राथमिकता दे रहे हैं। बाजार में अनिश्चितता बढ़ने पर सुरक्षित निवेश विकल्पों की मांग तेज होना स्वाभाविक माना जाता है। लिक्विड फंड्स में रिकॉर्ड निवेश इसी बदलती निवेश मानसिकता को दर्शाता है, जहां निवेशक फिलहाल जोखिम कम रखते हुए स्थिर और सुरक्षित विकल्पों की तलाश में हैं।

5 म्यूचुअल फंड्स ने बनाया निवेशकों का भरोसा मजबूत

बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में लगातार बढ़ती अस्थिरता के बीच निवेशकों के सामने सबसे बड़ी चुनौती सही म्यूचुअल फंड चुनने की होती है। आज बाजार में 1500 से ज्यादा म्यूचुअल फंड स्कीम मौजूद हैं और हर फंड खुद को सबसे बेहतर साबित करने की कोशिश करता है। ऐसे में केवल ज्यादा रिटर्न देखकर निवेश करना जोखिम भरा साबित हो सकता है। विशेषज्ञ मानते हैं कि किसी भी फंड का सही आकलन केवल रिटर्न से नहीं, बल्कि उसके "रिस्क एडजस्टेड रिटर्न" से किया जाना चाहिए। यानी ऐसा फंड जो जोखिम कम रखते हुए लगातार बेहतर प्रदर्शन करे। हाल ही में किए गए एक विस्तृत विश्लेषण में कई म्यूचुअल फंड स्कीमों को शार्प रेशियो, सॉर्टिनो रेशियो, स्टैंडर्ड डिविएशन और रोलिंग रिटर्न जैसे मानकों पर परखा गया। इस विश्लेषण में पांच फंड सबसे मजबूत विकल्प बनकर सामने आए।

एचडीएफसी फ्लेक्सी कैप फंड

सूची में पहला नाम एचडीएफसी फ्लेक्सी कैप फंड का है। यह फंड हाल ही में 1 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) पार करने वाला चुनिंदा फंड बना है। फंड ने पिछले कई वर्षों में लगातार मजबूत प्रदर्शन किया है। रोलिंग रिटर्न के आधार पर इसने तीन और पांच साल की अवधि में 19 प्रतिशत से ज्यादा रिटर्न देने की क्षमता दिखाई है। विशेषज्ञों के मुताबिक, इस फंड की सबसे बड़ी ताकत बाजार गिरने के दौरान नुकसान को सीमित रखना रही है। इसका शार्प रेशियो और सॉर्टिनो रेशियो भी श्रेणी के अन्य फंड्स से बेहतर रहा। फंड का बड़ा निवेश बैंकिंग, ऑटोमोबाइल, हेल्थकेयर और आईटी सेक्टर में है। एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और एसबीआई जैसी कंपनियां इसकी प्रमुख होल्डिंग्स में शामिल हैं।

बंधन लार्ज एंड मिड कैप फंड

दूसरे स्थान पर बंधन लार्ज एंड मिड कैप फंड रहा। इस फंड ने पिछले 10 वर्षों में अपनी श्रेणी के अधिकांश फंड्स से बेहतर प्रदर्शन किया है। तीन साल की रोलिंग अवधि में इस फंड ने औसतन 24 प्रतिशत से ज्यादा रिटर्न दिया, जबकि श्रेणी का औसत लगभग 18 प्रतिशत रहा। यह फंड लगातार बदलते बाजार के हिसाब से पोर्टफोलियो में बदलाव करता है और इसी रणनीति ने इसे मजबूत बनाया है। फंड का निवेश मुख्य रूप से फाइनेंशियल, सर्विसेज, एनर्जी और हेल्थकेयर सेक्टर में है।

निप्पोन इंडिया लार्ज कैप फंड

निप्पोन इंडिया लार्ज कैप फंड भी जोखिम और रिटर्न के संतुलन के मामले में मजबूत विकल्प माना गया। पिछले 10 वर्षों में किसी भी सात साल की अवधि में इस फंड ने औसतन 15 प्रतिशत से ज्यादा रोलिंग रिटर्न दिया। यह श्रेणी औसत और निफ्टी 100 दोनों से बेहतर रहा। विशेषज्ञों के अनुसार इसकी सबसे बड़ी ताकत स्थिर प्रदर्शन और मजबूत स्टॉक चयन है। लंबे समय से एक ही फंड मैनेजर के नेतृत्व में रहने का फायदा भी इसे मिला है। फंड की प्रमुख हिस्सेदारी बैंकिंग, एनर्जी, हेल्थकेयर और कंज्यूमर सेक्टर में है।

एचडीएफसी मिड कैप फंड एसआईपी

एचडीएफसी मिड कैप फंड लंबे समय से मिडकैप निवेशकों के बीच लोकप्रिय बना हुआ है। अगर किसी निवेशक ने 10 साल पहले हर महीने 10 हजार रुपये की एसआईपी शुरू की होती, तो आज उसका निवेश लगभग 35 लाख रुपये तक पहुंच चुका होता। फंड ने लंबे समय में करीब 20 प्रतिशत सालाना रिटर्न देने का रिकॉर्ड बनाया है। विशेषज्ञों का कहना है कि मिडकैप श्रेणी में अस्थिरता ज्यादा होती है, लेकिन इस फंड ने लगातार बेहतर संतुलन बनाए रखा। फंड का निवेश मुख्य रूप से फाइनेंशियल, हेल्थकेयर और ऑटोमोबाइल सेक्टर में फैला हुआ है।

इनवेस्को इंडिया स्मॉल कैप फंड

सूची में पांचवां नाम इनवेस्को इंडिया स्मॉल कैप फंड का रहा। स्मॉलकैप फंड्स को आमतौर पर ज्यादा जोखिम वाला माना जाता है, लेकिन इस फंड ने जोखिम के मुकाबले मजबूत रिटर्न दिया है। तीन साल की रोलिंग अवधि में इसने लगभग 26 प्रतिशत तक का रिटर्न दिया, जबकि पांच और सात साल की अवधि में भी प्रदर्शन मजबूत रहा। फंड का फोकस तेजी से बढ़ने वाली कंपनियों की पहचान कर शुरुआती दौर में निवेश करना है। इसकी प्रमुख हिस्सेदारी हेल्थकेयर, सर्विसेज, ऑटोमोबाइल और कंज्यूमर सेक्टर में है।

आखिर क्या होता है रिस्क एडजस्टेड रिटर्न

विशेषज्ञों के मुताबिक, केवल ज्यादा रिटर्न देने वाला फंड हमेशा बेहतर नहीं होता। अगर किसी फंड में उतार-चढ़ाव बहुत ज्यादा हो, तो वह निवेशकों के लिए जोखिम बढ़ा सकता है। रिस्क एडजस्टेड रिटर्न ऐसे फंड्स को पहचानने का तरीका है जो कम जोखिम के साथ स्थिर और भरोसेमंद रिटर्न देते हैं।

निवेश से पहले यह रखें ध्यान

फंड का कम से कम 5-10 साल का रिकॉर्ड देखें, फंड मैनेजर का अनुभव जांचें

बिजनेस डेस्क

आज के दौर में केवल बचत करना आर्थिक सुरक्षा के लिए काफी नहीं माना जाता। बढ़ती महंगाई, रिटायरमेंट की चिंता और भविष्य की जरूरतों ने निवेश को हर नौकरीपेशा व्यक्ति की प्राथमिकता बना दिया है। ऐसे में म्यूचुअल फंड एसआईपी यानी सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान सबसे लोकप्रिय निवेश विकल्पों में शामिल हो चुका है। हालांकि निवेशकों के मन में एक सवाल हमेशा रहता है कि आखिर किस उम्र में कितनी एसआईपीकरनी चाहिए।

अपने जोखिम और निवेश अवधि के हिसाब से फंड चुनें

विशेषज्ञों का मानना है कि निवेश में सबसे बड़ा अंतर ज्यादा रकम नहीं, बल्कि जल्दी शुरुआत पैदा करती है। जितना जल्दी निवेश शुरू किया जाता है, कंपाउंडिंग उतना ही बड़ा फायदा देती है।

20 की उम्र में शुरुआत सबसे ताकतवर

वित्तीय विशेषज्ञों के मुताबिक 20 से 29 साल की उम्र निवेश की शुरुआत के लिए सबसे बेहतरीन समय माना जाता है। इस दौर में जिम्मेदारियां कम होती हैं और जोखिम लेने की क्षमता ज्यादा होती है। अगर कोई व्यक्ति 20 साल की उम्र में हर महीने 10 हजार रुपये की एसआईपी शुरू करता है और उसे औसतन 12 प्रतिशत सालाना रिटर्न मिलता है, तो 60 साल की उम्र तक करीब 11.88 करोड़ रुपये का फंड तैयार हो सकता है। लेकिन अगर वही निवेश 30 साल की उम्र से शुरू किया जाए, तो अंतिम फंड घटकर लगभग 3.5 करोड़ रुपये रह जाता है। यानी सिर्फ 10 साल की देरी से संभावित संपत्ति में 8 करोड़ रुपये से ज्यादा का अंतर आ सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार इस उम्र में फ्लेक्सी कैप, मिडकैप, इंडेक्स और ईएलएसएस फंड बेहतर विकल्प माने जाते हैं क्योंकि लंबी अवधि में इनमें बेहतर ग्रोथ की संभावना रहती है। हालांकि इस उम्र में सबसे बड़ी गलती निवेश टालते रहना और जल्दी अमीर बनने के चक्कर में हाई रिस्क थीमेटिक या स्मॉलकैप फंड्स में जरूरत से ज्यादा पैसा लगाना माना जाता है।

30 की उम्र में संतुलन जरूरी

30 की उम्र तक पहुंचते-पहुंचते आमतौर पर आय बढ़ती है, लेकिन जिम्मेदारियां भी तेजी से बढ़ने लगती हैं। घर का लोन, शादी, बच्चों की पढ़ाई, बीमा और रिटायरमेंट प्लानिंग जैसी जरूरतें निवेश रणनीति को प्रभावित करती हैं। अगर कोई व्यक्ति 30 साल की उम्र से हर महीने 10 हजार रुपये की एसआईपी शुरू करता है और 60 साल तक निवेश जारी रखता है, तो 12 प्रतिशत अनुमानित रिटर्न के आधार पर लगभग 3.5 करोड़ रुपये का फंड तैयार हो सकता है। लेकिन यदि वही निवेश 40 की उम्र तक टाल दिया जाए, तो अंतिम फंड करीब 1 करोड़ रुपये तक सीमित रह सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस उम्र में संतुलित निवेश रणनीति अपनाना ज्यादा जरूरी होता है। फ्लेक्सी कैप, लार्ज एंड मिडकैप और एग्रेसिव हाइब्रिड फंड अच्छे विकल्प माने जाते हैं। इसके अलावा हर साल एसआईपी बढ़ाने की आदत यानी "स्टेप-अप एसआईपी" लंबे समय में बड़ा अंतर पैदा कर सकती है।

40 की उम्र में फोकस बदलना जरूरी

40 की उम्र तक पहुंचते-पहुंचते निवेशकों का ध्यान केवल ज्यादा रिटर्न कमाने पर नहीं, बल्कि पूंजी की सुरक्षा और रिटायरमेंट प्लानिंग पर भी होता है। अगर कोई व्यक्ति 40 साल की उम्र में निवेश शुरू करता है और 60 साल तक करीब 3.5 करोड़ रुपये का फंड बनाना चाहता है, तो उसे हर महीने लगभग 35 से 40 हजार रुपये की **SIP** करनी पड़ सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसा इसलिए क्योंकि निवेशक कंपाउंडिंग के 10 अहम साल खो देता है और समय की कमी को ज्यादा निवेश से पूरा करना पड़ता है। इस उम्र में लार्जकैप, बैलेंस्ड एडवांटेज, मल्टी एसेट और शॉर्ट ड्यूरेशन डेट फंड जैसे विकल्प बेहतर माने जाते हैं।

हर उम्र में अलग होती है निवेश रणनीति

विशेषज्ञों का मानना है कि उम्र बढ़ने के साथ निवेशकों को इक्विटी से पूरी तरह बाहर नहीं निकलना चाहिए, बल्कि अपने जोखिम और वित्तीय जरूरतों के हिसाब से पोर्टफोलियो में बदलाव करना चाहिए। युवा निवेशक ज्यादा जोखिम लेकर ग्रोथ पर फोकस कर सकते हैं, जबकि 40 के बाद स्थिरता और पूंजी संरक्षण ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाता है।

निवेशकों की सबसे बड़ी गलतियां

- निवेश शुरू करने में देरी करना
- बाजार गिरने पर एसआईपी बंद कर देना
- सोशल मीडिया टिप्स पर आंख बंद कर भरोसा करना
- बार-बार फंड बदलना
- बिना लक्ष्य के निवेश करना

क्या कहते हैं जानकार

विशेषज्ञों का कहना है कि म्यूचुअल फंड कोई जल्दी अमीर बनने का जरिया नहीं है। यह लंबे समय तक अनुशासन और धैर्य के साथ संपत्ति बनाने का माध्यम है। जो निवेशक जल्दी शुरुआत करते हैं, नियमित निवेश बनाए रखते हैं और बाजार की गिरावट से घबराने के बजाय टिके रहते हैं, वही लंबे समय में बड़ा फंड तैयार कर पाते हैं।

निवेश से पहले समझें जोखिम

म्यूचुअल फंड निवेश बाजार जोखिमों के अधीन होते हैं। फंड का प्रदर्शन बाजार, ब्याज दरों और आर्थिक परिस्थितियों के अनुसार बदल सकता है। इसलिए निवेश करने से पहले अपनी जोखिम क्षमता, वित्तीय लक्ष्य और निवेश अवधि को समझना जरूरी है। जरूरत पड़ने पर वित्तीय सलाहकार की मदद लेना भी बेहतर विकल्प हो सकता है।

निवेश के ऑप्शन, जहां सुरक्षित रहेगा पूरा पैसा

तैयारी
बिजनेस डेस्क

आज के दौर में कमाई करना जितना कठिन हो गया है, उतना ही मुश्किल सही जगह निवेश करना भी हो गया है। शेयर बाजार, क्रिप्टो और हाई रिटर्न वाले कई विकल्प लोगों को आकर्षित जरूर करते हैं, लेकिन इनमें जोखिम भी काफी रहता है। ऐसे में ज्यादातर लोग ऐसी स्कीम चाहते हैं जहां पैसा सुरक्षित रहे और रिटर्न भी भरोसेमंद मिले। भारत में सरकार समर्थित कई निवेश योजनाएं हैं जो सुरक्षा, स्थिरता और टैक्स बचत तीनों का फायदा देती हैं। अगर आप भी बिना ज्यादा जोखिम उठाए अपने भविष्य को आर्थिक रूप से मजबूत बनाना चाहते हैं, तो ये कुछ निवेश विकल्प आपके लिए बेहद काम के साबित हो सकते हैं।

1. बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी)

भारतीय परिवारों में फिक्स्ड डिपॉजिट यानी एफडी सबसे लोकप्रिय निवेश विकल्पों में से एक है। इसमें एक तय अवधि के लिए पैसा जमा किया जाता है और बैंक पहले से निश्चित ब्याज देता है। एफडीकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि बाजार के उतार-चढ़ाव का इस पर कोई असर नहीं पड़ता। निवेशक को पहले दिन से ही पता होता है कि मैच्योरिटी पर कितनी रकम मिलेगी। 5 साल की टैक्स सेविंग एफडी पर आयकर की धारा 80सी के तहत 1.5 लाख रुपये तक की टैक्स छूट भी मिलती है। वहीं वरिष्ठ नागरिकों को सामान्य ग्राहकों की तुलना में अधिक ब्याज दर दी जाती है। यही वजह है कि सुरक्षित निवेश चाहने वालों के लिए एफडी आज भी पहली पसंद बनी हुई है।

2. पब्लिक प्रोविडेंट फंड

अगर आपका लक्ष्य बच्चों की पढ़ाई, शादी या रिटायरमेंट के लिए बड़ा फंड तैयार करना है, तो पीपीएफ शानदार विकल्प माना जाता है। यह सरकार समर्थित योजना है, इसलिए इसमें पैसा पूरी तरह सुरक्षित रहता है। पीपीएफ की अवधि 15 साल होती है, लेकिन जरूरत पड़ने पर इसे आगे भी बढ़ाया जा सकता है। इसकी सबसे खास बात यह है कि इसमें मिलने वाला ब्याज, निवेश और मैच्योरिटी राशि तीनों टैक्स फ्री होते हैं। लंबी अवधि में कंपाउंडिंग का फायदा मिलने से छोटी-छोटी बचत भी बड़ा फंड बन जाती है। यही कारण है कि इसे सबसे भरोसेमंद लॉन्ग टर्म निवेश योजनाओं में गिना जाता है।

3. नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस)

एनपीएसयानी नेशनल पेंशन सिस्टम एक बेहतरीन विकल्प है। इसे पेंशन फंड रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी (पीएफआरडीए) संचालित करती है। इस योजना में निवेश का एक हिस्सा सरकारी बॉन्ड और कॉर्पोरेट बॉन्ड में लगाया जाता है, जिससे जोखिम कम रहता है। एनपीएस में धारा 80सी के तहत टैक्स छूट मिलती ही है, साथ ही अतिरिक्त 50 हजार की अलग टैक्स छूट का लाभ भी मिलता है।

4. गोल्ड निवेश

भारत में सोना सिर्फ गहना नहीं, बल्कि सुरक्षित निवेश भी माना जाता है। हालांकि अब फिजिकल गोल्ड खरीदने के बजाय लोग एसजीबी और गोल्ड ईटीएफ जैसे विकल्पों की ओर बढ़ रहे हैं। सोने की कीमतें लंबे समय में आमतौर पर बढ़ती रही हैं, इसलिए इसे महंगाई के खिलाफ मजबूत सुरक्षा माना जाता है। खास बात यह है कि एसजीबी में निवेश करने पर सरकार करीब 2.5 प्रतिशत सालाना ब्याज भी देती है। मैच्योरिटी पर टैक्स छूट का फायदा इसे और आकर्षक बनाता है। यही वजह है कि विशेषज्ञ निवेश पोर्टफोलियो में कुछ हिस्सा गोल्ड में रखने की सलाह देते हैं।

धैर्य रखने वालों को ही मिलता है बड़ा मुनाफा, बनाएं बेहतर रणनीति

8 साल से ज्यादा निवेश में नुकसान की संभावना लगभग न के बराबर

लंबी अवधि की एसआईपी बनेगी बाजार की ढाल

सुझाव
बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव हमेशा निवेशकों की चिंता बढ़ाता है। बाजार कभी तेजी से ऊपर जाता है तो कभी अचानक गिरावट निवेशकों का भरोसा डगमगा देती है। खासकर छोटे निवेशक अक्सर इसी डर में रहते हैं कि कहीं उनकी मेहनत की कमाई बाजार की मंदी में डूब न जाए। लेकिन अब एक नई स्टडी ने यह साबित कर दिया है कि अगर निवेशक धैर्य बनाए रखें और लंबी अवधि तक एसआईपी (सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) में निवेश जारी रखें, तो बाजार की वोलैटिलिटी भी उन्हें नुकसान नहीं पहुंचा पाती। हाल ही में सामने आई एक रिसर्च रिपोर्ट में कहा गया है कि इक्विटी एसआईपी में जितनी लंबी अवधि तक निवेश किया जाता है, नुकसान का खतरा उतना ही कम होता जाता है। यहां तक कि 8 साल या उससे अधिक समय तक लगातार निवेश करने वाले निवेशकों को किसी भी अवधि में नुकसान नहीं हुआ। यह रिपोर्ट उन लाखों निवेशकों के लिए राहत भरी खबर है जो हर महीने म्यूचुअल फंड में एसआईपी के जरिए निवेश करते हैं।

15 साल की एसआईपी में रिटर्न ज्यादा स्थिर और भरोसेमंद

विशेषज्ञ बोले-कम से कम एक दशक तक रखें निवेश

युवाओं के लिए छोटी रकम से बड़ा फंड बनाने का आसान तरीका

30 साल के आंकड़ों से निकला निष्कर्ष

अगस्त 1996 से अप्रैल 2026 तक के सेंसेक्स टीआरआई के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया। इसमें अलग-अलग अवधियों की एसआईपी के रिटर्न को देखा गया। अध्ययन का मकसद यह समझना था कि समय बढ़ने के साथ निवेशकों का जोखिम किस तरह कम होता है। रिपोर्ट में पाया गया कि कम अवधि की एसआईपी में रिटर्न काफी अस्थिर रहे। तीन साल की अवधि में निवेशकों को जहां एक ओर 55.6 प्रतिशत तक का शानदार रिटर्न मिला, वहीं दूसरी ओर कुछ निवेशकों को 24.6 प्रतिशत तक का नुकसान भी उठाना पड़ा। इसका मतलब साफ है कि कम समय में बाजार की चाल निवेशकों को बड़ा फायदा भी दे सकती है और भारी नुकसान भी। लेकिन जैसे-जैसे निवेश की अवधि बढ़ती गई, जोखिम घटता गया। 8 साल या उससे ज्यादा की अवधि में किए गए किसी भी एसआईपी निवेश में नुकसान दर्ज नहीं हुआ।

क्यों असरदार लंबी अवधि की एसआईपी

विशेषज्ञों के मुताबिक, एसआईपी का सबसे बड़ा फायदा "रुपी कॉस्ट एवरेजिंग" होता है। जब बाजार नीचे होता है, तब निवेशक को कम कीमत पर ज्यादा यूनिट मिलती हैं और जब बाजार ऊपर होता है, तब कम यूनिट मिलती हैं। लंबे समय में यह औसत निवेश लागत को संतुलित कर देता है। इसके अलावा लंबी अवधि में बाजार की गिरावट का असर धीरे-धीरे खत्म हो जाता है। शेयर बाजार भले ही कुछ महीनों या वर्षों तक कमजोर रहे, लेकिन ऐतिहासिक रूप से देखा जाए तो लंबे समय में बाजार ने हमेशा रिकवरी की है। यही कारण है कि धैर्य रखने वाले निवेशकों को बेहतर रिटर्न मिलता है। रिपोर्ट के अनुसार 15 साल की एसआईपी में रिटर्न का दायरा काफी सीमित हो गया। यहां रिटर्न 7.3 प्रतिशत से 18.2 प्रतिशत के बीच रहा। इसका मतलब यह है कि लंबी अवधि में निवेशकों को अपेक्षाकृत स्थिर और भरोसेमंद रिटर्न मिलता है।

दस साल तक निवेश बनाए रखें

एसआईपी का असली फायदा तभी मिलता है जब निवेशक लंबे समय तक निवेश बनाए रखे। उनका मानना है कि कम से कम 10 साल तक निवेश करना चाहिए ताकि बाजार के विभिन्न चक्रों का फायदा मिल सके।

समय के साथ बढ़ी रिटर्न की संभावना

स्टडी में यह भी सामने आया कि निवेश की अवधि बढ़ने के साथ 10 प्रतिशत से ज्यादा रिटर्न मिलने की संभावना भी तेजी से बढ़ती गई। 3 साल की एसआईपी में केवल 67 प्रतिशत मामलों में 10 प्रतिशत से ज्यादा रिटर्न मिला। 10 साल की एसआईपी में यह आंकड़ा 95 प्रतिशत तक पहुंच गया।12 से 15 साल की अवधि में 98 प्रतिशत निवेशकों को 10 प्रतिशत से ज्यादा का रिटर्न मिला। यानी निवेशक जितना अधिक समय तक बाजार में बने रहते हैं, उनके अच्छे रिटर्न पाने की संभावना उतनी ही मजबूत हो जाती है।

एसआईपी बंद करना बड़ी गलती

अक्सर देखा जाता है कि बाजार में गिरावट आते ही निवेशक घबरा जाते हैं और अपनी एसआईपी बंद कर देते हैं। विशेषज्ञ इसे सबसे बड़ी गलती मानते हैं। दरअसल, बाजार में गिरावट के दौरान ही निवेशकों को कम कीमत पर ज्यादा यूनिट मिलती हैं, जो भविष्य में बाजार सुधरने पर बड़ा मुनाफा देती हैं। अगर निवेशक गिरावट के समय निवेश बंद कर देता है, तो वह बाजार की रिकवरी का पूरा फायदा नहीं उठा पाता। इसलिए निवेशकों को बाजार की अस्थायी गिरावट से घबराने के बजाय अनुशासन बनाए रखना चाहिए।

युवा निवेशकों के लिए बड़ा अवसर

विशेषज्ञों का कहना है कि युवाओं के लिए एसआईपी सबसे अच्छा निवेश विकल्प बनकर उभरा है। नौकरी की शुरुआत में छोटी रकम से निवेश शुरू करके लंबे समय में बड़ा फंड तैयार किया जा सकता है। अगर कोई निवेशक 25 साल की उम्र में हर महीने 5 हजार रुपये की एसआईपी शुरू करता है और औसतन 12 प्रतिशत सालाना रिटर्न मिलता है, तो 25-30 साल में करोड़ों रुपये का फंड तैयार हो सकता है। यही कारण है कि वित्तीय योजनाकार एसआईपी को दीर्घकालिक संपत्ति निर्माण का सबसे प्रभावी तरीका मानते हैं।

धैर्य ही सफलता की कुंजी

इस पूरी स्टडी का सबसे बड़ा संदेश यही है कि शेयर बाजार में सफलता पाने के लिए धैर्य बेहद जरूरी है। कम समय में बाजार का उतार-चढ़ाव निवेशकों को परेशान कर सकता है, लेकिन लंबी अवधि में यही बाजार संपत्ति बनाने का सबसे मजबूत माध्यम बन जाता है। एसआईपी निवेशकों के लिए सबसे जरूरी बात यह है कि वे नियमित निवेश जारी रखें, बाजार की गिरावट से न डरें और लंबी अवधि का नजरिया अपनाएं। क्योंकि समय के साथ बाजार की अस्थिरता कम होती जाती है और निवेशकों के लिए बेहतर रिटर्न की संभावना मजबूत होती जाती है।

खबर संक्षेप

लवकेश बने अग्रवाल वैश्य समाज रतिया के अध्यक्ष

रतिया। अग्रवाल वैश्य समाज के जिला अध्यक्ष राजेंद्र मित्तल ने विधानसभा रतिया इकाई का गठन किया है। जिला कोषाध्यक्ष विपिन गोयल ने बताया कि जिला अध्यक्ष राजेंद्र मित्तल ने लवकेश मित्तल को विधानसभा अध्यक्ष, हिमांशु गर्ग को विधानसभा महासचिव व मनीष सिंगला को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया है। विपिन गोयल ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष के निर्देशों के अनुसार जल्द ही टोहाना व फतेहाबाद विधानसभा इकाई और जिला इकाई का भी गठन कर दिया जाएगा और जिले में सामाजिक व गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाएगा। विपिन ने बताया कि अग्रवाल वैश्य समाज हरियाणा का एकमात्र ऐसा संगठन है जो पिछले एक दशक से भी ज्यादा समय से समाज सेवा के कार्य कर रही हैं।

डबवाली में बाइक चोर गिरोह पर शिकंजा, दो काबू

डबवाली। पुलिस ने बाइक चोरी की दो वारदातों को सुलझाते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरीशुदा मोटरसाइकिल बरामद किए हैं। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सोहल व आकाशदीप सिंह के रूप में हुई है। स्पेशल स्टाफ प्रभारी राजेश कुमार ने बताया कि पुलिस को नागरिक अस्पताल व बठिंडा रोड रिलायंस पेट्रोल पम्प क्षेत्र से बाइक चोरी की शिकायत मिली थी। पुलिस ने जांच करते हुए दोनों आरोपियों को डबवाली शहर क्षेत्र से गिरफ्तार कर चोरीशुदा मोटरसाइकिल बरामद कर लिए हैं। उन्होंने बताया कि आरोपी आकाशदीप सिंह के खिलाफ चोरी का एक मामला पहले भी दर्ज है। आरोपियों को अदालत में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया जाएगा।

सोलर क्षमता बढ़ाने के लिए दी आर्थिक सहायता

सिरसा। श्री गुरु गोबिंद सिंह खालसा हाई स्कूल को डॉ. गुरचरण सिंह ने सोलर सिस्टम की क्षमता बढ़ाने के लिए 50 हजार रुपए की आर्थिक सहायता का चैक स्कूल प्रबंधक सुरिंद्र सिंह विर्क और प्रधानाध्यापक गुलाब सिंह की उपस्थिति में भेंट किया। स्कूल प्रबंधक डॉ. सुरिंद्र सिंह ने कहा कि स्कूल में संसाधनों की कमी न हो, इसके लिए अनेक समाजसेवी लगातार सहयोग करते हैं, जिनमें डॉ. गुरचरण सिंह का नाम भी प्रमुख है। डॉ. गुरचरण सिंह ने कहा कि सेवानिवृति के बाद वे लगातार समाजसेवा के क्षेत्र में स्कूलों में बच्चों का सहयोग कर उन्हें प्रोत्साहित कर रहे हैं।

पुलिस लाइन में सर्वाइकल कैंसर जागरूकता शिविर

फतेहाबाद। पुलिस लाइन के सभागार हॉल में शनिवार को फतेहाबाद पुलिस और नागरिक अस्पताल के संयुक्त तत्वावधान में एक विशेष स्वास्थ्य जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य महिलाओं और विशेषकर 14-15 वर्ष की किशोरियों को सर्वाइकल कैंसर और एचपीवी संक्रमण के प्रति जागरूक करना था। शिविर में नागरिक अस्पताल के विशेषज्ञ डॉक्टरों डॉ. हनुमान, डॉ. सन्नी महलोत्रा और डॉ. दीक्षा ने बताया कि महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं, लेकिन सही समय पर जागरूकता, नियमित जांच और एचपीवी टीकाकरण के जरिए इससे पूरी तरह बचा जा सकता है।

शिवशक्ति रक्त कोष में रक्तदान शिविर आज

सिरसा। थैलेसीमिया सोसायटी तथा इंडियन डेंटल एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में थैलेसीमिया ग्रसित बच्चों के सहायतार्थ एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। सोसायटी के अध्यक्ष डॉ. प्रवीण अरोड़ा ने बताया कि आगामी 24 मई को सुबह 9.30 बजे से दोपहर 2 बजे तक शिवशक्ति रक्त कोष में शिविर लगाया जाएगा। उन्होंने कहा कि थैलेसीमिया से ग्रस्त बच्चों को लगभग प्रत्येक माह में एक बार या उससे अधिक बार रक्त चढ़ाना पड़ता है। उन्होंने आमजन से आह्वान किया कि अधिक से अधिक संख्या में समयानुसार पहुंचकर रक्तदान रूपी इस महायज्ञ में अपने रक्त की आहूति अवश्य डालें।

9वें दिन भीषण गर्मी में बीडीपीओ कार्यालय के बाहर डटे कर्मचारी

'वादे हुए, वेतन नहीं', सरकार के खिलाफ ग्रामीण सफाई कर्मियों का प्रदर्शन जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

जिले में चल रही ग्रामीण सफाई कर्मचारियों की हड़ताल आज 9वें दिन में प्रवेश कर गई है। आसमान से बरसती भयंकर आग और चिलचिलाती गर्मी के बावजूद सफाई कर्मचारी फतेहाबाद बीडीपीओ कार्यालय के बाहर ब्लॉकों में डेरा जमाए बैठे हैं। ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन के नेताओं ने सरकार के खिलाफ कड़ा आक्रोश व्यक्त किया है। यूनियन के जिला कोषाध्यक्ष बलबीर सिंह, सचिव हरपाल सिंह, पवन कुमार, जगदीश नूरकी और बेगराज ने कहा कि पिछले 19 साल से कच्ची नौकरी की मार झेल रहे 10 हजार ग्रामीण सफाई कर्मचारी इस जानलेवा गर्मी में भी सड़कों पर बैठने को मजबूर हैं। इस आंदोलन को नगर पालिका कर्मचारी संघ के उपाध्यक्ष रमेश कुमार तुषामड, जिला प्रधान विजय ढाका और सचिव ओमप्रकाश लोट ने भी अपनी पूरी टीम के साथ मौके पर पहुंचकर अपना पूरा समर्थन दिया। यूनियन नेताओं ने भाजपा सरकार और कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी पर तीखा हमला बोला और कहा कि मांग पत्र भेजे जाने के बावजूद समाज कल्याण मंत्री कृष्ण बेदी ने एक बार भी कर्मचारियों की सुध नहीं ली। नेताओं ने कहा कि भाजपा खुद को दलित हितैषी बताती है, लेकिन आज 10 हजार दलित सफाई कर्मचारी सड़कों पर हैं और सरकार मूकदर्शक बनी हुई है। 24 नवंबर 2024 को मुख्यमंत्री द्वारा 26 हजार वेतन देने और 11 जून 2025 को 2100 वेतन बढ़ोतरी की घोषणाएं आज तक धरातल पर लागू नहीं हुई है। ग्रामीण सफाई कर्मचारियों ने मांग की है कि पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के 31 दिसंबर 2025 के आदेश को लागू कर पॉलिसी के तहत सभी कर्मियों को पक्का किया जाए। हर 400 की आबादी पर एक सफाई कर्मचारी की भर्ती हो। यूनियन ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार ने जल्द वार्ता कर समाधान नहीं निकाला, तो आंदोलन और उग्र होगा। इसी कड़ी में 24-25 मई को कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी के विधानसभा कार्यालय नरवाना में दो दिवसीय ऐतिहासिक महापड़ाव डाला जाएगा।

फतेहाबाद। बीडीपीओ कार्यालय में धरना देते ग्रामीण सफाई कर्मचारी।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर बंसी लाल, निरंजन सिंह, भाल सिंह, पूर्ण सिंह, सोनू, जनटा सिंह, राम राज, हुक्म सिंह, अमनदीप, दर्शना देवी, शारदा देवी, बिमला रानी और बाला देवी सहित भारी संख्या में कर्मचारी मौजूद रहे।

गेस्ट टीचर्स को पक्का करने की मांग को लेकर अध्यापक संघ का प्रदर्शन, डीईईओ को सौंपा ज्ञापन

फतेहाबाद। गेस्ट टीचर्स को नियमित करने की मांग को लेकर हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ ने जिला प्रधान राजपाल मिताथल की अध्यक्षता में जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय पर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद संघ ने जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी फतेहाबाद को ज्ञापन सौंपा। इस कार्यक्रम का संचालन जिला सचिव देसराज माचरा द्वारा किया गया। प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए जिला प्रधान राजपाल मिताथल ने बताया कि हरियाणा सरकार ने 16 जून 2014 और 18 जून 2014 को विभिन्न विभागों में 3 साल का सेवाकाल पूरा करने वाले कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने के लिए नीतियां बनाई थीं। 16 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट ने इन पॉलिसियों को वैध बताते हुए कच्चे कर्मचारियों और शिक्षकों को नियमित करने के पक्ष में ऐतिहासिक फैसला सुनाया। 29 अप्रैल को पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के तहत प्रदेश के सरकारी स्कूलों में कार्यरत गेस्ट टीचर्स, जेबीटी, टीजीटी और पीजीटी को नियमित करने का आदेश पारित किया। हाईकोर्ट के आदेशानुसार सभी अतिथि अध्यापकों को स्वयं अपना आवेदन निदेशक प्राथमिक व सेकेंडरी शिक्षा को चार सप्ताह के भीतर भेजना है, जिसकी अंतिम तिथि 27 मई है। संगठन ने जिला शिक्षा अधिकारी से मांग की है कि फतेहाबाद जिले के सभी अतिथि अध्यापकों के आवेदन बिना किसी बाधा के स्वीकार किए जाएं और समय सीमा के भीतर ही उन्हें आगामी कार्रवाई के लिए उच्च अधिकारियों को भेजा जाए। इस मौके पर अध्यापक नेता कृष्ण नैन, सुरजीत दुसाद, पूनम रानी, हरपाल हुड्डा, राजेश गोठड़ा, कुलदीप लोहान, रामनिवास, सतपाल ढाका और गेस्ट टीचर्स यूनियन से कृष्ण धारसूल मौजूद रहे।

फतेहाबाद। जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय पर धरना देते अध्यापक।

भट्टूकलां। किरढ़ान में मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित करते स्टाफ सदस्य।

किरढाण के सरकारी स्कूलों का शानदार परीक्षा परिणाम

मेधावी छात्रों का भव्य स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भट्टूकलां

गांव किरढ़ान स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय तथा राजकीय कन्या उच्च विद्यालय के कक्षा 10वीं और 12वीं के विद्यार्थियों ने बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। इस शानदार सफलता की खुशी में विद्यालय प्रशासन, अभिभावकों और ग्रामीणों द्वारा होनहार छात्र-छात्राओं का पगड़ी व फूल-मालाएं पहनाकर भव्य स्वागत किया गया। इस उपलक्ष्य में पूरे गांव में ढोल-नगाड़ों के साथ एक भव्य विजय रैली निकाली गई, जिसमें स्कूली बच्चों, स्कूल मैनेजमेंट कमेटी के सदस्यों और अभिभावकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। गांव में जगह-जगह पर मेरिट प्राप्त करने वाले बच्चों का जोरदार स्वागत किया गया और दोनों विद्यालयों के अध्यापकों द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों की सराहना की गई। समारोह की शुरुआत विद्यालय की सुबह की प्रार्थना सभा में बच्चों को सम्मानित करने के साथ हुई। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय किरढाण के प्राचार्य सत्येंद्र चौहान ने मेधावी बच्चों को पारंपरिक पगड़ी पहनाई।

ये रहा परिणाम

परीक्षा परिणामों में कक्षा 12वीं में मधु व सुमित ने 500 में से 425 अंक प्राप्त करके विद्यालय में संयुक्त रूप से प्रथम स्थान हासिल किया। इसके साथ ही बबिता ने 424 अंक लेकर द्वितीय तथा प्रतिभा ने 416 अंक प्राप्त करके तृतीय स्थान हासिल किया। कक्षा दसवीं की परीक्षाओं में छात्राओं में मुस्कान सुपुत्री नरसी राम ने 500 में से 460 अंक प्राप्त करके राजकीय कन्या उच्च विद्यालय किरढाण में प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं भावना पुत्री साहब राम ने 440 अंक प्राप्त करके विद्यालय में द्वितीय स्थान तथा दीपिका पुत्री सीता राम ने 424 अंक प्राप्त करके तीसरा स्थान हासिल किया। लड़कों के वर्ग में देव ने प्रथम, निरंजन ने द्वितीय तथा मनदीप ने तृतीय स्थान हासिल कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया।

प्लास्टिक फ्री हरियाणा और पॉक्सो एक्ट पर विद्यार्थियों को किया जागरूक

सिरसा। छात्राओं को जागरूक करते अधिवक्ता। *फोटो : हरिभूमि*

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में शनिवार को जिले के पांच विभिन्न स्कूलों में प्लास्टिक फ्री हरियाणा (आज हरा-भरा, कल सुरक्षित) एवं पॉक्सो एक्ट विषय पर जागरूकता शिविर आयोजित किए गए। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी संतोष बागोतिया ने बताया कि इन शिविरों में पैनल अधिवक्ता सुरेश मेहता, भूपिंदर कौर, अनीता रानी, रामबीर सिंह तथा विनय शर्मा ने विद्यार्थियों को जागरूक किया।

उन्होंने विद्यार्थियों को प्लास्टिक मुक्त वातावरण, पर्यावरण संरक्षण और पॉक्सो एक्ट के बारे में जानकारी दी। साथ ही पौधारोपण के महत्व को समझाते हुए अधिक से अधिक पेड़ लगाने के लिए प्रेरित किया।

दुकानदार का शव सप्ताह बाद नाचना हेड से बरामद

डबवाली। शहर के एक दुकानदार का शव करीब एक सप्ताह बाद राजस्थान के जैसलमेर जिले के नाचना हेड से बरामद कर लिया गया है। सूचना मिलने पर डबवाली पुलिस राजस्थान पहुंची और शव को कब्जे में लेकर डबवाली के नागरिक अस्पताल लाया गया, जहां शनिवार को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है। उल्लेखनीय है कि बीती 18 मई को अबूबशहर के पास कारोबारी विनोद ग्रोवर ने राजस्थान नहर में छलांग लगा दी थी। गोताखोरों की मदद से उसकी तलाश की जा रही थी।

विनोद के परिजन लगातार राजस्थान नहर के विभिन्न हेडों पर नजर रखे हुए थे। उन्हें सूचना मिली कि नाचना हेड पर एक शव मिला है। परिजन मौके पर पहुंचे और शव की शिनाखत की। पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर डबवाली के नागरिक अस्पताल पहुंचाया।

भूमि-जनित रोगों से बचाव के लिए बीज उपचार जरूरी : यादव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

कृषि विभाग के तत्वावधान गांव किंगरे में किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस मौके पर ग्वार विशेषज्ञ डॉ. बीडी यादव ने कहा कि भूमि में अनेक प्रकार के फफूंद, बैक्टीरिया व अन्य सूक्ष्मजीव होते हैं, जो उगते हुए पौधों की जड़ों पर प्रहार करते हैं। इसके प्रकोप से पौधों में पानी व खुराक का संचार बाधित हो जाता है। जिससे पौधे की जड़ें काली पड़ जाती है और पौधें पीले पडक़र सुखने लगते हैं। भूमि-जनित रोगों से बचाव के लिए बीज उपचार ही एक मात्र हल है, जो जरूरी है।

डॉ. पवन कुमार ने किसानों को सलाह दी किसी भी फसल की बिजाई से पहिले अपने खेत की मिट्टी व पानी की जांच अवष्य करवाएं तथा खाद का उपयोग मिट्टी की जांच के आधार पर करें। डॉ. बीडी यादव ने किसानों को जड़गलन रोग की रोकथाम तथा बिजाई के लिए उन्नतशील किस्मों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जिस किसान के पास अच्छी गुणवता वाला पानी उपलब्ध है तो ग्वार की बिजाई मानसून की बारिश आने से पहले कुछ रकबे में पानी लगाकर जून पहले पखवाड़े में रिस्क को कम करने के लिए पलेवा करके बिजाई कर सकते हैं। परन्तु ग्वार की बिजाई के लिए जून का दूसरा पखवाड़ा सबसे उचित है। बारिश पर आधारित बिजाई मानसून की अच्छी बारिश आने पर ही करें। इस अवसर पर जसवंत सिंह, जयकरण, गुरूदेव सिंह, बलदेव सिंह, आदि किसान मौजूद थे।

सिरसा। किसानों को ग्वार फसल के बारे में जानकारी देते डा. बीडी यादव।

बरवाला में 14.67 ग्राम हेरोइन सहित दो महिलाएं गिरफ्तार

हिसार। बरवाला पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के दो अलग-अलग मामलों में कार्रवाई करते हुए दो महिलाओं को 14.67 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) सहित गिरफ्तार किया है। पुलिस उन दोनों महिलाओं से पूछताछ कर रही है। बरवाला थाना प्रभारी निरीक्षक कर्मजीत ने बताया कि गिरफ्तार की गई महिला आरोपियों की पहचान वार्ड नंबर 14, बरवाला के रूप में हुई है। पुलिस टीम ने गुप्त सूचना एवं नियमित गश्त के दौरान कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को काबू किया। तलाशी लेने पर उनके कब्जे से कुल 14.67 ग्राम हेरोइन बरामद हुई।

अन्य मामले में दो युवक पकड़े

जिला में नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत मंगाली चौकी पुलिस ने मगांली कुटिया के पास से दो नशा तस्करो को गिरफ्तार करके उनसे 6 ग्राम 520 मि.ग्राम हेरोइन बरामद की है। गिरफ्तार किये गये आरोपियों की पहचान रावतखेड़ा निवासी अजय व पवन के रुप में हुई है।

प्रतिभा सम्मान समारोह में मेधावी विद्यार्थी हुए सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

सिरसा। मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित करते खंडी शिक्षा अधिकारी।

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय साहुवाला-द्वितीय में कक्षा दसवीं एवं बारहवीं के परीक्षा परिणामों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों के सम्मान में प्रतिभा सम्मान समारोह हुआ। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में खंड शिक्षा अधिकारी नाथूसरी चौपटा सतबीर सिंह ढिढारिया मौजूद थे। विद्यालय ने हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड द्वारा घोषित परीक्षा परिणाम में शानदार सफलता प्राप्त की। कक्षा 12वीं में विद्यालय के विद्यार्थियों ने खंड स्तर पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। कुल 54 विद्यार्थियों में से 45 विद्यार्थियों ने मेरिट हासिल की। वहीं कक्षा 10वीं में कुल 54 विद्यार्थियों में से 15 विद्यार्थियों ने मेरिट सूची में स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। विद्यार्थियों के उत्साहवर्धन के लिए आयोजित समारोह में बाल कल्याण अधिकारी कमलेश चाहर ने पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी कक्षा 10वीं एवं 12वीं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को 5100 रुपए तथा 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को 1100 रुपए की प्रोत्साहन राशि प्रदान की। सेवानिवृत्त सुपरिंटेंडेंट रामकिशन राव ने प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी को 3100 रुपए, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले को 2100 रुपए तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले को 1100 रुपए की राशि देकर सम्मानित किया। ग्राम पंचायत साहूवाला-द्वितीय ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए विद्यालय को 21 हजार रुपए की सहयोग राशि प्रदान की तथा सभी मेधावी विद्यार्थियों को मोमेंटो भेंट किए। इस अवसर पर विभिन्न समाजसेवियों सुशील बिरड़ा, राजेंद्र, कैलाशचंद्र, सुनील, महेंद्र, वेद प्रकाश शर्मा ने भी आर्थिक सहायता दी।

ठगी का शिकार हुए महिला के एक लाख से अधिक रुपये वापिस दिलवाए

हिसार। साइबर क्राइम पुलिस ने साइबर अपराध के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस की त्वरित कार्रवाई के चलते पीड़ित महिला अलका के साइबर ठगी में गंवाए हुए पैसे वापस मिल गए। थाना साइबर क्राइम प्रभारी सतेंद्र ने बताया कि उप निरीक्षक सुरेंद्र ने साइबर धोखाधड़ी के एक मामले की जांच करते हुए पीड़ित महिला के ठगे गए एक लाख 20 हजार 724 रुपये उसे वापिस दिलवाए हैं। पुलिस टीम ने मामले की गहराई से जांच करते हुए तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर तकनीकी अनुसंधान और बैंक अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर ठगी गई राशि को ट्रैक किया।

सट्टा खाईवाली करता एक युवक 20,400 नकदी सहित काबू : सीआईए नारनौंद पुलिस टीम ने सट्टा खाईवाली करने वाले एक युवक को काबू कर उसके कब्जे से 20,400 की नकदी, सट्टा पर्चियां व अन्य सामान बरामद किया है। मुख्य सिपाही कुलदीप ने बताया कि पुलिस टीम को सूचना मिली कि एक व्यक्ति भैणी अमीरपुर बस स्टैंड के पास सरेआम सट्टा खाईवाली कर रहा। इस पर पुलिस ने कार्रवाई की।

सिरसा। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यालयों को सम्मानित करते हुए।

डिजिटल शिक्षा, नवाचार विद्यार्थियों के विकास की आधारशिला: डॉ. विजय लक्ष्मी

सिरसा। राजकीय मॉडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल में दीक्षा सम्मान समारोह हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य दीक्षा प्लेटफॉर्म एवं विभिन्न शैक्षिक गतिविधियों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों, विद्यालयों एवं शिक्षा कर्मियों को सम्मानित करना था। कार्यक्रम में मुख्यातिथि जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी सिरसा एवं डाइट डिंग प्राचार्या डॉ. विजय लक्ष्मी थी। विभिन्न श्रेणियों के विजेताओं को मंच पर आमंत्रित किया जिसके अंतर्गत आओ स्कूल चलें अभियान, दीक्षा ई-कंटेंट रिव्यूअर, सक्षम सहयोगी तथा स्टेम मंच एवं स्टेम मेला में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यालयों को सम्मानित किया गया। डॉ. विजय लक्ष्मी ने अपने संबोधन में शिक्षकों एवं समन्वयकों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि डिजिटल शिक्षा और नवाचारपूर्ण गतिविधियां विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

कार्यक्रम | **महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए विभिन्न प्रशिक्षण दिए जा रहे : करण**

नाबार्ड ने महिलाओं को दिया डेयरी फार्मिंग प्रशिक्षण, 60 प्रशिक्षणार्थियों को बांटे प्रमाण पत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

गांव गोरखपुर में नाबार्ड के सहयोग तथा विश्वास संस्था के संयुक्त तत्वावधान में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के लिए डेयरी फार्मिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें 60 महिला प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण पूर्ण होने पर प्रमाण पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक करण ने कहा कि नाबार्ड ग्रामीण समृद्धि के उद्देश्य को लेकर कार्य कर रहा है और महिलाओं को स्वरोजगार से जोडऩे के लिए विभिन्न रोजगारपरक कौशल प्रशिक्षण प्रदान किए जा रहे हैं।

फतेहाबाद। गोरखपुर में महिलाओं को प्रमाण पत्र वितरित करते अतिथिगण।

ये भी बोले नाबार्ड प्रबंधक

उन्होंने बताया कि जिला फतेहाबाद के भूना ब्लॉक में 120 एसएचजी महिलाओं को डेयरी फार्मिंग गतिविधि से जोडऩे के लिए प्रशिक्षण दिया जा रहा है, ताकि वे आर्थिक रूप से सशक्त बन सकें। एचएसआरएलएम के जिला कार्यक्रम प्रबंधक सतबीर कुमार ने कहा कि स्वयं सहायता समूह राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाएं अक्सर प्रशिक्षण और उचित मार्गदर्शन के अभाव में आगे नहीं बढ़ पातीं, लेकिन नाबार्ड और विश्वास संस्था द्वारा दिए जा रहे प्रशिक्षण से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने की नई दिशा मिल रही है। विश्वास संस्था के सचिव विनीत छाबड़ा ने कहा कि डेयरी फार्मिंग प्रशिक्षण के माध्यम से महिलाओं को स्वरोजगार अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। कार्यक्रम में एचएसआरएलएम से बीपीएम संजय कुमार, वीटा से अमित, बैंक प्रबंधक एवं सरपंच सहित अन्य अतिथियों ने भी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं।

खबर संक्षेप

10वीं व 12वीं में टॉपर रहे विद्यार्थी हुए सम्मानित

सिरसा। पीएमश्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय माधोसिंघाना की कक्षा 12वीं तथा कक्षा 10वीं के मेरिट होल्डर विद्यार्थियों के सम्मान में कार्यक्रम हुआ। कंप्यूटर साइंस की प्रवक्ता लैक्चरार गुरवीन कौर ने बताया कि कक्षा 12वीं तथा कक्षा 10वीं के कंप्यूटर साइंस विषय का परिणाम शत-प्रतिशत रहा। कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षा में कंप्यूटर साइंस विषय में 15 विद्यार्थियों में से 9 विद्यार्थियों ने सौ प्रतिशत तथा 5 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से ज्यादा अंक प्राप्त किए हैं। इसके अतिरिक्त कक्षा 10वीं की बोर्ड परीक्षा में कंप्यूटर साइंस विषय में भी 10 विद्यार्थियों में से 4 विद्यार्थियों ने सौ प्रतिशत तथा 5 विद्यार्थियों को 90 से ऊपर अंक प्राप्त किए हैं।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थी सम्मानित

ओढां। एमएम मेमोरियल पब्लिक सीनियर सेकेंड्री स्कूल ओढ़ा में शनिवार को माईनर टेस्ट एवं सीएएफटी में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 157 विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में 2026 में सीए फाउंडेशन परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले दीपक कुमार मुख्यातिथि के रूप में विद्यालय में पहुंचे। विद्यालय प्रबंधन ने दीपक कुमार का बैज लगाकर, पुष्पमालाएं पहनाकर तथा पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। मां सरस्वती की वंदना के साथ समारोह की शुरुआत हुई। मुख्यातिथि दीपक कुमार ने विद्यार्थियों को कठिन परिश्रम, लक्ष्य के प्रति समर्पण एवं निरंतर अभ्यास का संदेश दिया तथा माइंडर टेस्ट एवं सीएएफटी की महत्ता पर प्रकाश डाला।

कार सवार दो लोग चूरापोस्त सहित दबोचे

सिरसा। पुलिस ने गांव पतली डाबर क्षेत्र से कार सवार दो नशा तस्करों को गिरफ्तार कर चूरापोस्त बरामद किया है। आरोपियों की पहचान फतेहाबाद जिले निवासी ईश्वर व रणबीर सिंह के रूप में हुई है। डिंग थाना प्रभारी देवेंद्र सिंह ने शनिवार ने बताया कि पुलिस टीम गश्त व चेकिंग के दौरान नेशनल हाईवे नौ गांव पतली डाबर क्षेत्र में मौजूद थी। इस दौरान एक कार आती दिखाई दी। चालक ने सामने पुलिस की गाड़ी को देखकर अचानक गाड़ी को वापस मोडक़र भागने का प्रयास किया। पुलिस के तलाशी लेने पर कार से 3 किलो 668 ग्राम चूरापोस्त बरामद हुआ। आरोपियों के खिलाफ डिंग थाना में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

महंत को धमकी देने के चार आरोपी गिरफ्तार

फतेहाबाद। शहर थाना फतेहाबाद पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए एक किन्नर (महंत) के घर में जबरन घुसने, जान से मारने की धमकी देने और मोबाइल छीनने की वारदात को सुलझा लिया है। पुलिस ने इस मामले में तत्परता से कार्रवाई करते हुए चार मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान ललित उर्फ पंडित निवासी कालीदास कॉलोनी, फतेहाबाद), मुकेश उर्फ धन्नू, राकेश उर्फ रिंकू निवासी अशोक नगर, फतेहाबाद और गगनदीप निवासी सिरसा के रूप में हुई है। निवासी मनीषा महंत ने पुलिस को शिकायत दी थी कि डेरा छीनने की रंजिश के चलते उन्हें पिछले कुछ समय से धमकियां मिल रही थीं।

महंगाई, अव्यवस्था से जनता परेशान: सैलजा

सिरसा। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि प्रदेश और केंद्र सरकार बड़ी-बड़ी घोषणाएं करने में सबसे आगे हैं, लेकिन धरातल पर उन घोषणाओं को लागू करने के लिए आवश्यक धनराशि उपलब्ध नहीं करवाई जा रही। सैलजा ने कहा कि सरकार को केवल प्रचार और दिखावे की राजनीति छोडक़र आम लोगों की जन समस्याओं के समाधान पर ध्यान देना चाहिए। जनता आज बिजली, पानी, सडक़, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रही है, लेकिन सरकार के पास इन समस्याओं के समाधान के लिए ठोस नीति और पर्याप्त बजट नहीं है। का सामना कर रहा है। पहले किसानों को डीजल और खाद के लिए लंबी लाइनों में लगाया गया और अब अपनी मेहनत से तैयार की गई फसल बेचने के लिए पोर्टल और ओटीपी के चक्कर में भटकना पड़ रहा है। सरकार ने दावा किया था कि फसल खरीद के 72 घंटे के भीतर किसानों को भुगतान कर दिया जाएगा, लेकिन वास्तविक किसान भुगतान के लिए तरस रहे है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 9315429403, 8291554800, 7988727916

टोहाना में फूटा जनता का गुस्सा, सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी

भीषण गर्मी के बीच पानी की किल्लत से परेशान लोगों ने किया रोड जाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

मई के महीने में सूरज की तपिश और भीषण गर्मी ने लोगों का जीना मुहाल कर दिया है। ऐसे में जब कंठ सुखाने वाली गर्मी में बूंद-बूंद पानी के लिए तरसना पड़े, तो जनता का सब्र टूटना लाजमी है। ऐसा ही कुछ देखने को मिला टोहाना शहर में, जहां पिछले कई दिनों से पीने के पानी की गंभीर किल्लत से गुस्साए दमकोरा रोड कॉलोनी के निवासियों ने शनिवार को टोहाना-दमकोरा रोड पर चक्का जाम कर दिया। आक्रोशित प्रदर्शनकारियों ने तपती धूप में सडक़ पर बैठकर सरकार और जन स्वास्थ्य विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

कॉलोनीवासियों ने अपना दर्द बयां करते हुए कहा कि इस चिलचिलाती गर्मी में उनके घरों में कई दिनों से पीने का पानी तक नहीं आ रहा है। दैनिक कार्यों और नहाने के लिए पानी की नियमित आपूर्ति तो दूर की बात हो चुकी है। लोगों ने कहा कि इस जानलेवा गर्मी में पानी के बिना रहना नरक जैसा हो गया है। विभाग के अधिकारियों को बार-बार शिकायत दी गई, लेकिन एसी कमरों में बैठे अफसरों के कानों पर जूं तक नहीं रेंगी। सडक़ जाम होने की सूचना मिलते ही शहर थाना प्रभारी कुलदीप सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने तपती धूप में खड़े प्रदर्शनकारियों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन लोग पानी की समस्या के स्थायी समाधान पर अड़े रहे। मामला बढ़ता देख जन स्वास्थ्य विभाग के जेई मुख्तार सिंह को मौके पर पहुंचना पड़ा। उन्होंने निवासियों को जल्द से जल्द नियमित पानी उपलब्ध कराने का पुख्ता आश्वासन दिया, जिसके बाद करीब आधे घंटे से लगा जाम खोला जा सका। इस दौरान राहगीरों को इस भीषण गर्मी में भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

फतेहाबाद। टोहाना में रोड जाम करते लोग। फोटो : हरिभूमि

डिंग। डिंग मंडी रोड पर जमा गंदा पानी। फोटो : हरिभूमि

दो दिन पहले भी हुआ था चक्का जाम

गौरतलब है कि टोहाना में पानी का यह संकट नया नहीं है। अभी दो दिन पहले ही वार्ड-16 के निवासियों ने पानी की किल्लत को लेकर टोहाना-फतेहाबाद रोड पर सवा घंटे तक जाम लगाया था। तब भी अधिकारियों के वादों के बाद जाम खुला था। पिछले एक सप्ताह में यह दूसरा मौका है जब पानी के लिए जनता को सडक़ पर उतरना पड़ा है। शहरवासियों का कहना है कि गर्मी का सीजन चरम पर पहुंचने से पहले ही विभाग को पानी की व्यवस्था दुरुस्त कर लेनी चाहिए थी। बार-बार के आश्वासनों के बावजूद जमीनी स्तर पर कोई सुधार नहीं दिख रहा है। बार-बार हो रहे सडक़ जाम से राहगीरों और आम जनता को इस भीषण गर्मी में दोहरी मार झेलनी पड़ रही है। शहरवासियों ने प्रशासन से चेतावनी भरे लहजे में मांग की है कि पीने के पानी की निर्बाध आपूर्ति तुरंत सुनिश्चित की जाए, अन्यथा आने वाले दिनों में यह आंदोलन और उग्र रूप ले सकता है।

डिंग मंडी रोड पर गंदे पानी से लोग परेशान

डिंग। डिंग रोड से डिंग मंडी जाने वाले मुख्य मार्ग पर गंदे पानी की निकासी नहीं होने के कारण सडक़ पर लंबे समय से पानी जमा है, जिससे आमजन को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सडक़ पर हर समय गंदा पानी खड़ा रहने से राहगीरों और वाहन चालकों का निकलना मुश्किल हो गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सरकार द्वारा विकास कार्यों के दावे किए जाते हैं, लेकिन इस सडक़ की वर्तमान हालत देखकर ऐसा नहीं लगता कि यहां कभी कोई विकास कार्य हुआ हो। लगातार पानी भरे रहने से सडक़ पूरी तरह टूट चुकी है और जगह-जगह गहरे खड्डे बन गए हैं। गर्मी के मौसम में सडक़ पर जमा गंदे पानी से उठ रही दुर्गंध ने आसपास के दुकानदारों और घरों में रहने वाले लोगों का जीना दूभर कर दिया है। लोगों को बदबू और गंदगी के बीच दिनभर गुजरना पड़ रहा है। सडक़ पर बने गहरे गड्ढों के कारण आए दिन वाहन चालक हादसों का शिकार हो रहे हैं। विशेष रूप से दोपहिया वाहन चालकों के लिए यहां से गुजरना बेहद जोखिम भरा हो गया है। कई बार वाहन असंतुलित होकर गिर जाते हैं, जिससे लोगों को चोटें भी लग रही हैं। गौरतलब है कि यह मार्ग पंजाब से राजस्थान को जोडऩे वाला प्रमुख संपर्क मार्ग है, जिस पर दिनभर भारी वाहनों की आवाजाही बनी रहती है। लगातार भारी वाहनों के दबाव और पानी भरे रहने के कारण सडक़ की हालत और अधिक खराब हो गई है। ग्रामीणों और स्थानीय दुकानदारों का आरोप है कि पंचायत और प्रशासन इस गंभीर समस्या की लगातार अनदेखी कर रहे हैं। लोगों ने प्रशासन से जल्द जल निकासी की व्यवस्था करने और सडक़ की मरम्मत करवाने की मांग की है, ताकि आमजन को राहत मिल सके और हादसों पर रोक लगाई जा सके।

पॉयनियर स्कूल में हुआ स्वास्थ्य एवं कैंसर जागरूकता सेमिनार

फतेहाबाद। पॉयनियर स्कूल में विद्यार्थियों को संबोधित करते डॉ. रत्नला तुलसी।

- विद्यार्थियों को कैंसर के विभिन्न पहलुओं पर किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

पॉयनियर कॉन्वेंट स्कूल, फतेहाबाद में विद्यार्थियों के लिए स्वास्थ्य एवं कैंसर जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था। इस अवसर पर राइट टू लाइफ फाउंडेशन की सचिव एवं प्रख्यात सामाजिक प्रेरक डॉ. रत्नला तुलसी कुमारी मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहीं। उन्होंने विद्यार्थियों को कैंसर के विभिन्न प्रकार, उसके लक्षण, बचाव एवं समय-समय पर स्वास्थ्य जांच के महत्व के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। साथ ही संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, स्वच्छता, योग तथा जंक फूड से दूर रहने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि सही जानकारी और जागरूकता के माध्यम से कई गंभीर बीमारियों से बचाव संभव है।

बच्चों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना जरूरी

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं। प्रश्नोत्तर सत्र में विद्यार्थियों ने अपनी जिज्ञासाओं को भी साझा किया, जिनका डॉ. रत्नला तुलसी कुमारी द्वारा सरल एवं प्रभावी ढंग से समाधान किया गया। विद्यालय के डायरेक्टर निशांत निर्मोही ने कहा कि इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास एवं स्वस्थ भविष्य के निर्माण में अत्यंत सहायक सिद्ध होते हैं। उन्होंने कहा कि आज के समय में बच्चों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना बेहद आवश्यक है ताकि वे एक स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपना सकें। कार्यक्रम के सफल आयोजन एवं समन्वय में विद्यालय की अध्यापिका निकिता की विशेष भूमिका रही। विद्यालय प्रशासन ने मुख्य वक्ता डॉ. रत्नला तुलसी कुमारी का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी विद्यार्थियों के हित में ऐसे जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में नशे के विरुद्ध विद्यार्थियों को किया प्रेरित

- डीएवी स्कूल में हुआ नशा विरोधी जागरूकता कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल, फतेहाबाद में विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों एवं स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से 'नशा विरोधी जागरूकता कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को नशे से दूर रहकर सकारात्मक एवं जिम्मेदार जीवन जीने के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में फतेहाबाद ड्रग डी-एडिक्शन टीम के इंचार्ज सुंदर लाल टीम सहित उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए बताया कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य, शिक्षा, करियर, पारिवारिक जीवन एवं सामाजिक प्रतिष्ठा पर अत्यंत नकारात्मक प्रभाव डालता है। उन्होंने समझाया कि गलत संगति के दबाव में आकर युवा वर्ग आसानी से नशे जैसी बुरी आदतों की ओर आकर्षित हो सकता है। यह कार्यक्रम आर्य युवा समाज द्वारा चलाई जा रही 'नो नशा नेशन' अभियान में एक कारगर प्रयास सिद्ध हुआ।

फतेहाबाद। विद्यार्थियों को जागरूक करते ड्रग डी-एडिक्शन टीम के इंचार्ज सुंदर लाल।

युवा देश की शक्ति

सुंदर लाल ने विद्यार्थियों को नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक नुकसान के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी तथा उन्हें जीवन में सही दिशा चुनने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि युवा देश की शक्ति हैं और यदि युवा वर्ग नशे से दूर रहकर शिक्षा, खेल एवं सकारात्मक गतिविधियों पर ध्यान दे, तो राष्ट्र का भविष्य और अधिक उज्ज्वल बन सकता है। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह एवं रुचि के साथ भाग लिया। यह सत्र अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं संवादात्मक रहा, जिसमें विद्यार्थियों ने अपने प्रश्न पूछकर महत्त्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की। विद्यार्थियों को शिक्षा, खेलकूद एवं रचनात्मक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया गया।

टैगोर मॉडल स्कूल में ठंडे पानी की छबील बच्चों को मिला सेवा और संस्कारों का संदेश

- विद्यार्थियों ने पेश की भारतीय संस्कृति की सुंदर झलक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

भीषण गर्मी के बीच टैगोर मॉडल स्कूल, फतेहाबाद में ग्रीष्मकालीन अवकाश शुरू होने से पहले विद्यार्थियों के लिए ठंडे मीठे पानी की छबील का आयोजन किया गया। विद्यालय परिसर में आयोजित इस सेवा कार्यक्रम में नन्हे विद्यार्थियों से लेकर वरिष्ठ कक्षाओं के बच्चों तक सभी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यालय परिसर में बच्चों की लंबी कतारें, हाथों में पानी के गिलास और चेहरों पर मुस्कान सेवा, अपनत्व और भारतीय संस्कृति की सुंदर झलक प्रस्तुत कर रही थीं। तेज गर्मी के बीच विद्यार्थियों को ठंडा मीठा पानी वितरित कर उन्हें मानवता, सहयोग और सेवा भावना का महत्व समझाया गया। विद्यालय के प्राचार्य हरमीत सिंह, निदेशिका ज्योति शैलेन भास्कर तथा कोऑर्डिनेटर मोनू शर्मा ने स्वयं विद्यार्थियों को ठंडा पेय वितरित करते हुए उन्हें ग्रीष्मकालीन अवकाश की शुभकामनाएं दीं। प्राचार्य हरमीत सिंह ने कहा कि विद्यालय केवल पढ़ाई का केंद्र नहीं, बल्कि संस्कारों और सामाजिक मूल्यों की पाठशाला भी है। वहीं कोऑर्डिनेटर मोनू शर्मा ने बच्चों को छुट्टियों के दौरान सकारात्मक गतिविधियों से जुड़े रहने के लिए प्रेरित किया।

फतेहाबाद। टैगोर स्कूल में बच्चों को ठंडा मीठा जल वितरित करते प्राचार्य।

भट्टूकलां। चाइल्ड अकाउंट खोलने के लिए आयोजित विशेष कैंप में मौजूद अधिकारी।

पंचायत विभाग ने भट्टू कलां में एसएनए चाइल्ड अकाउंट के लिए लगाया विशेष कैंप

भट्टूकलां। हरियाणा सरकार की नई पॉलिसी के अनुसार अब गांवों के जलघरों का रखरखाव और संचालन पंचायतों की भागीदारी से किया जाएगा। इसी कड़ी में खंड भट्टू कलां में ग्राम पंचायतों के एसएनए चाइल्ड अकाउंट खोलने के लिए एक विशेष कैंप का आयोजन किया गया। जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी अनूप सिंह के नेतृत्व में आयोजित इस कैंप में विकास एवं पंचायत विभाग, पब्लिक हेल्थ विभाग तथा विभिन्न बैंकों के अधिकारियों ने भाग लिया। कैंप में उपस्थित पंचायत प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए डीडीपीओ अनूप सिंह ने बताया कि ग्राम पंचायतों के राज्य वित्त आयोग के तहत होने वाले विकास कार्यों और विभिन्न सरकारी योजनाओं के सुचारू संचालन के लिए एसएनए चाइल्ड अकाउंट खुलवाना अत्यंत आवश्यक है।

स्टंबल लैब की स्थापना से विद्यार्थियों को मिलेगा भयमुक्त वातावरण: डॉ. कृष्ण

- रूपावास स्कूल में छात्रों को करवाई स्टंबल लैब की गतिविधियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶ चोपटा

खंड नाथुसरी चौपटा के पीएमश्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय रूपावास के विद्यार्थियों को स्टंबल लैब आधारित शैक्षणिक गतिविधियां करवाई गई। खंड स्तर पर स्टंबल लैब नोडल अधिकारी डॉ. कृष्ण ढाका ने बताया कि सिरसा के सरकारी विद्यालयों में स्टंबल लैब की स्थापना का उद्देश्य है, बच्चों के लिए भय मुक्त वातावरण तैयार करना, उनमें फेलियर फियर खत्म करना और गलतियों से सीखना। स्कूलों में अब बच्चें केवल डरमुक्त होकर सवाल पूछेंगे, नये प्रयोग करेंगे। इसी कड़ी में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, रूपावास में कक्षा सातवीं व कक्षा आठवीं के विद्यार्थियों के पीयर ग्रुप बनाकर स्टंबल लैब आधारित शैक्षणिक गतिविधियां जैसे स्कूल बैग का अनुमानित भार निकालने के विभिन्न तरीके, किन्हीं दो स्थानों के बीच की अनुमानित दूरी निकालने के विभिन्न तरीके आदि करवाये गए।

चोपटा। विद्यार्थियों को स्टंबल लैब आधारित शैक्षणिक गतिविधियां करवाते हुए।

पीएम श्री स्कूल नागपुर में सांस्कृतिक उत्सव एनडीए में चयनित लेफ्टिनेंट दीपांशु सम्मानित

फतेहाबाद। पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, नागपुर में आज सांस्कृतिक उत्सव का आयोजन किया गया। इस समारोह में जहां स्कूली बच्चों ने अपनी सांस्कृतिक प्रतिभा से सबका मन मोह लिया, वहीं हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी द्वारा घोषित 10वीं व 12वीं कक्षा के परिणामों में शानदार प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों के सम्मान में एक विशेष सम्मान समारोह भी आयोजित किया गया। समारोह के दौरान बोर्ड मैरिट हासिल करने वाले 70 मेधावी विद्यार्थियों को ग्राम पंचायत नागपुर और इलाके के अन्य गणमान्य व्यक्तियों द्वारा विशेष रूप से सम्मानित किया गया। इस सम्मान समारोह में विशेष तौर पर नागपुर गांव की सरपंच अनीता कम्बोज ने भाग लिया और शानदार परिणाम के लिए विद्यार्थियों व स्टाफ सदस्यों को बधाई दी। प्रधानाचार्य आनंद प्रकाश ने अतिथियों का स्वागत किया। खुशबू ने विज्ञान संकाय में 500 में से 485 अंक हासिल करके न केवल अपने स्कूल और माता-पिता का नाम रोशन किया।

रतिया। नागपुर के पीएम श्री विद्यालय में मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए।

पावरग्रिड फतेहाबाद ने स्वच्छता बनाए रखने पर दिलाई विद्यार्थियों को शपथ

वेस्ट टू वेल्थ प्रदर्शनी में छात्राओं ने कबाड़ से बनाई कमाल की चीजें

12वीं कक्षा की उषा ने प्रदर्शनी में हासिल किया प्रथम स्थान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत आज राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, भोडिय़ाखेड़ा, में पावरग्रिड फतेहाबाद की ओर से 'वेस्ट टू वेल्थ' एक्जीविशन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पावरग्रिड फतेहाबाद के वरिष्ठ उप महाप्रबंधक जितेंद्र कुमार ने शिरकत की, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल की प्राचार्या नीलम लांग्यान ने की। प्राचार्या नीलम लांग्यान ने मुख्य अतिथि व पावरग्रिड की टीम का स्कूल परिसर में पहुंचने पर स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि जितेंद्र कुमार ने छात्राओं को स्वच्छता पखवाड़े के तहत स्वच्छता बनाए रखने की महत्वपूर्ण शपथ दिलवाई। इसके साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों को जीवन में तकनीकी शिक्षा के महत्व के बारे में विस्तार से समझाया और उन्हें आगे बढऩे के लिए प्रेरित किया। वेस्ट टू वेल्थ प्रदर्शनी में छात्राओं ने बेकार पड़े सामान का बेहतर उपयोग करके बेहद रचनात्मक और उपयोगी मॉडल पेश किए।

फतेहाबाद। विद्यालय में छात्राओं को सम्मानित करते पावर ग्रिड के अधिकारी। फोटो : हरिभूमि

छात्रों को पर्यावरण संरक्षण पर किया जागरूक

निर्णायक मंडल की भूमिका भूगोल प्रवक्ता हरपाल, रुचि पीजीटी इंग्लिश और रमनप्रीत आईटी ने निभाई। कड़े मुकाबले के बाद घोषित परिणाम में उषा कक्षा 12वीं ने प्रथम स्थान हासिल किया वहीं किरण कक्षा सातवीं द्वितीय तथा पायल कक्षा 12वीं ने तृतीय स्थान पाया। विजेता और सभी प्रतिभागी छात्राओं को पावरग्रिड फतेहाबाद की तरफ से रिफ्रेशमेंट प्रदान की गई वहीं शानदार पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। पूरे कार्यक्रम का कुशल मंच संचालन पवन सागर और राकेश कुमार द्वारा बेहद सुचारू रूप से किया गया। इस विशेष अवसर पर पावरग्रिड से उप प्रबंधक राकेश शर्मा, अभियंता सुधाकर रावत, कनिष्ठ अभियंता नेपाल सिंह सहित स्कूल स्टाफ से कुलदीप शर्मा, उर्मिला, पवन कुमार, दर्शना, इंदु, रेखा रानी व अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। यह कार्यक्रम छात्राओं को पर्यावरण संरक्षण और रचनात्मकता के प्रति जागरूक करने में बेहद सफल रहा।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
P-1
रोहतक,रविवार 24 मई 2026

जीवन की दिशा बदल देगा
जापानी मेनीफेस्टेशन

जापानी संस्कृति अपनी विशिष्ट जीवनशैली और अनूठे दर्शन के लिए पूरी दुनिया में जानी जाती है। यहां पर मेनीफेस्टेशन को केवल इच्छा पूर्ति का साधन ही नहीं, बल्कि अनुशासन, कृतज्ञता और ब्रह्मांड के साथ तालमेल बिठाने की एक कला भी माना जाता है। इसमें कई ऐसी कारगर तकनीकें अपनाई जाती हैं, जो आपके जीवन को पूरी तरह सकारात्मक दिशा में मोड़ देती हैं। इनमें से कुछ तकनीकों के बारे में जानिए।

{ कवर स्टोरी / शिखर चंद जैन }

एक मशहूर जापानी कहावत है- 'सात बार गिरो, आठ बार उठो।' इससे ही साबित होता है कि जापानी संस्कृति और जीवनशैली में कितनी सकारात्मकता शामिल है। जापानी जीवनशैली और दर्शन में जीवन की धारा बदलने के लिए मेनीफेस्टेशन के नायाब और बेहतरीन तरीके मौजूद हैं। जापानी मेनीफेस्टेशन को इच्छा पूर्ति का साधन मात्र नहीं माना जाता है। यह जीवन में संतुलन बनाने और तालमेल बिठाने की एक कला सिखाता है। जापानी मेनीफेस्टेशन तकनीकें हमें सिखाती हैं कि सपने देखना केवल पहला कदम है। उन सपनों को अनुशासन, कृतज्ञता और धैर्य के साथ सींचना ही असली कला है। कह सकते हैं कि मेनीफेस्टेशन का असली जादू, हार न मानने वाले जज्बे में छिपा होता है।

क्या है जापानी मेनीफेस्टेशन

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में हर व्यक्ति अपने सपनों को साकार करना चाहता है। उसके लिए हर संभव प्रयास करता है। पश्चिमी देशों में 'लॉ ऑफ अट्रैक्शन' की चर्चा जोरों पर है। लेकिन इसके विपरीत पूर्व में, विशेषकर जापान में, इच्छा पूर्ति के लिए सदियों पुराने ऐसे तरीके मौजूद हैं, जो न केवल प्रभावी हैं बल्कि व्यक्ति के चरित्र निर्माण में भी मदद करते हैं। जापानी मेनीफेस्टेशन तकनीकें केवल सोचने पर नहीं, बल्कि हमारे प्रयास करने और सपने साकार होने के गहरे संतुलन पर आधारित होती हैं। यहां जापानी मेनीफेस्टेशन से जुड़ी कुछ पद्धतियों के बारे में बता रहे हैं।

योशुकु करें सफलता का पूर्वाभास

यह एक प्राचीन जापानी तकनीक है, जिसे प्री सेलिब्रेशन के रूप में जाना जाता है। इसका मूल सिद्धांत यह है कि आप अपनी सफलता की खुशी पहले ही मना लें, ताकि उसे हकीकत में बदला जा सके। जापानी संस्कृति में यह माना जाता है कि 'भविष्य को वर्तमान में जीना' सफलता को आकर्षित करता है। यह उस भावना को पूरी तरह महसूस करने के बारे में है, जो आपको लक्ष्य प्राप्त करने के बाद होगी। इसमें कहा जाता है कि सबसे पहले स्पष्ट करें कि आप क्या हासिल करना चाहते हैं? इसके बाद इमेजिन करें कि वह सफलता आपको प्राप्त हो चुकी है। इसे रियल फील करने के लिए अपने दोस्तों या परिवार के सदस्यों और रिश्तेदारों के साथ एक छोटी-सी पार्टी करें, दूसरों की 'बधाई' स्वीकार करें। आंखें बंद करें और इमेजिन करें कि आप क्या पहन रहे हैं, कौन आपके पास है और आप कैसा महसूस कर रहे हैं? फिर ब्रह्मांड को 'धन्यवाद' कहें जैसे कि काम पहले ही पूरा हो चुका है। या फिर अपनी डायरी में आज की तारीख डालें और लिखें, 'आज मैंने अपना लक्ष्य प्राप्त कर लिया और मुझे बहुत खुशी हो रही है।' योशुकु दिमाग की प्रोग्रामिंग को प्रभावित करता है। यह आपके अवचेतन मन को सफलता के लिए ट्यून करता है। जब आप पहले ही 'जीत' महसूस करते हैं, तो असफलता का डर खत्म हो जाता है।

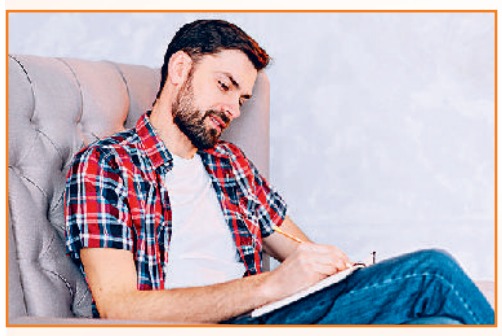

अरिगातो व्यक्त करते रहें कृतज्ञता

जापानी संस्कृति में 'कृतज्ञता' को सबसे बड़ी ऊर्जा माना गया है। 'अरिगातो' यानी धन्यवाद शब्द में जापानी लोग जादू मानते हैं। इस दर्शन के तहत मेनीफेस्टेशन की खास एक तकनीक है-'पैसों को धन्यवाद देना'। जब आप पैसे खर्च करते हैं, तो मन ही मन उसे 'अरिगातो' कहें ताकि वह समाज में खुशी फैलाए। जब पैसे आएं, तब भी 'अरिगातो' कहें। यह सकारात्मक ऊर्जा का एक चक्र बनाता है, जो प्रचुरता को आकर्षित करता है। आप स्वयं को संपन्न मानकर ज्यादा आत्मविश्वास के साथ काम करते हैं।

कइजन हर दिन सीखें नई तकनीक

मेनीफेस्टेशन केवल कल्पना करना नहीं होता है। कइजन तकनीक कहती है कि हर दिन केवल 1 प्रतिशत सुधार करें। अगर आप अमीर बनना चाहते हैं, तो हर दिन धन प्रबंधन के बारे में एक छोटी-सी ही सही कोई उपयोगी बात या तरीका सीखें। यह निरंतरता आपके अवचेतन मन को विश्वास दिलाती है कि आप बदल रहे हैं, और यही विश्वास हकीकत को बदल देता है।

कहने का सार है कि जापानी जीवनशैली और संस्कृति, मेनीफेस्टेशन के जरिए जीवन की धारा सकारात्मक दिशा में मोड़ने के लिए प्रेरित करती है। *

दारुमा गुड़िया संकल्प की दिलाए याद

दारुमा गुड़िया जापान की सबसे प्रसिद्ध मेनीफेस्टेशन तकनीकों में से एक है। यह लाल रंग की गोल गुड़िया होती है, जिसकी आंखें खाली यानी सफेद होती हैं। जब आप कोई बड़ा लक्ष्य निर्धारित करते हैं, तो दारुमा की बाईं आंख को काले रंग से भरते हुए अपनी इच्छा दोहराएं। अब इस गुड़िया को घर के किसी ऐसे कोने में रखें, जहां आपकी नजर बार-बार पड़े। जब वह लक्ष्य पूरा हो जाए, तब इसकी दूसरी (दाईं) आंख को काले रंग से भरें। यह तकनीक हमें लगातार हमारे संकल्प की याद दिलाती रहती है।

एमा ब्रह्मांड को अपनी इच्छा सौंपने की तकनीक

एमा एक तरह की प्रार्थना पट्टिकाएं होती हैं। जापानी मंदिरों (शिंतो मंदिरों) में लकड़ी की पट्टिकाएं लगी होती हैं, जिन्हें एमा कहा जाता है। लोग इन पर अपनी इच्छाएं लिखकर मंदिर में टांग देते हैं। यह आत्मसमर्पण की प्रक्रिया है। अपनी इच्छा को लिखकर ब्रह्मांड (या ईश्वर) को सौंप देना तनाव को खत्म करता है और आत्मविश्वास बढ़ाता है। जिससे मेनीफेस्टेशन की गति बढ़ जाती है।

इस बात में कोई दो राय नहीं है कि हमारी वर्तमान पहचान, हमारे अतीत पर टिकी होती है। यह इस बात पर निर्भर करती है कि हम अपनी स्मृतियों से कितना जुड़े हैं, उसे कितना मान देते हैं। आज तकनीक हमें अपने अतीत, रिश्तों और संवेदनाओं से निरंतर दूर कर रही है। ऐसे में स्मृतियों को संजोने का संकट खड़ा हो गया है।

स्मृतियां ही संजोती हैं यादें-रिश्ते-विरासत

{ जीवनशैली / लोकमित्र गौतम }

आज की तेज रफ्तार जिंदगी में जहां लोग भविष्य की दौड़ में लगातार आगे बढ़ रहे हैं, वहीं पीछे छूटती स्मृतियां हमें बार-बार यह याद दिलाती हैं कि बिना जड़ों के कोई भी वृक्ष लंबे समय तक हरा-भरा नहीं रह सकता। बचपन की शरारतें, बुजुर्गों की सीखें, संघर्षों की कहानियां, देश के इतिहास की गौरव गाथाएं और अपनों के साथ बिताए छोटे-छोटे पल, ये वो धरोहरें हैं, जो इंसान को अंदर से संपन्न बनाती हैं। वास्तव में स्मृतियां ही हर सभ्य समाज की सांस्कृतिक और भावनात्मक पूंजी होती हैं। जिस समाज की अपनी स्मृतियां जीवित रहती हैं, उसकी संवेदनाएं भी जीवित रहती हैं।

तस्वीरों से नहीं रहा भावनात्मक जुड़ाव: आज का डिजिटल युग स्मृतियों को एक अजीब से मोड़ पर ले आया है। हमारे हाथ में मौजूद मोबाइल फोन में एक ही समय पर लाखों तस्वीरें मौजूद होती हैं। जबकि पिछली सदी के श्याम-श्वेत जमाने में लोग कुछ फोटोज को हमेशा अपने सीने से लगाए रहते, उससे जुड़ी यादों के सहारे कभी हंस तो कभी रो लिया करते थे। एक दौर था, जब हमारे पास कई सारी तस्वीरें होना बहुत बड़ी खुशी देने वाली बात होती थी। लेकिन अब ऐसा नहीं है। अब शायद ही कोई व्यक्ति हो, जिसके मोबाइल में अपनी और अपनों की बेशुमार तस्वीरें न हों। लेकिन शायद ही उन तस्वीरों से कोई भावनात्मक जुड़ाव महसूस होता हो, जैसे पहले होता था। तस्वीरों को लेकर स्मृतियों का गायब होना या तस्वीरों को लेकर हमारे दिलोदिमाग में कोई खास पल, कोई खास मौका याद न आना, इस बात का सबूत है कि अब तस्वीरें हमारे जेहन में अपनी वैसी जगह नहीं बनातीं, जैसे पहले बनाया करती थीं।

स्मृतियां बनाती हैं संवेदनशील: स्मृतियां व्यक्ति को एक संवेदनशील नागरिक बनाने में भी महत्ती भूमिका निभाती हैं। बचपन के दिन, गांव की गलियां, मां के साथ जुड़ी अनगिनत स्मृतियां, दादा-दादी की कहानियां, शिक्षकों की सीखें और ऐतिहासिक घटनाओं के एहसास से बनी स्मृतियां वाकई यही सब चीजें होती हैं, जो हमें एक बेहद संवेदनशील मनुष्य बनाती हैं। जब कोई व्यक्ति अपनी स्मृतियों से कट जाता है, तो वह अपने मूल से अपने जीवन के सबसे गहन हिस्से से कट जाता है। इसलिए राष्ट्रीय स्मृति दिवस हमें अपनी जड़ों से और अपने मूल से जुड़ने की प्रेरणा देता है।

स्मृतियों की सांस्कृतिक महत्ता: जब हम अपनी उपलब्धियों और संघर्षों को याद करते हैं, तब हम केवल इतिहास से नहीं गुजर रहे होते हैं, बल्कि अपने वर्तमान को भी मजबूत बना रहे होते हैं। हमारे अपने देश भारत में तो स्मृतियों का और भी गहरा महत्व है, क्योंकि हमारी समृद्ध विरासत लिखित होने से ज्यादा मौखिक है। लोककथाएं, लोकगीत, रामायण, महाभारत की कथाएं, गांवों और खेड़ों की दास्तानें, हमारे यहां पीढ़ी दर पीढ़ी ये स्मृतियां अगली पीढ़ियों को मिलती रहती हैं। यही कारण है कि भारतीय समाज में स्मरण को आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व तक दिया गया है।

प्रदान करती हैं भावनात्मक शक्ति: आज के समय में स्मृतियों का एक और महत्व है, क्योंकि आज हम उन्हें मानसिक स्वास्थ्य की दृष्टि से भी देखते हैं। सकारात्मक यादें, हर इंसान को भावनात्मक शक्ति देती हैं। परिवार के साथ बिताए गए मधुर क्षण, मित्रों की संगति या किसी प्रेरणादायक घटना की स्मृति, हमारे कठिन समय का सहारा होती है, क्योंकि उसमें सामाजिक जुड़ाव और भावनात्मक संतुलन की मजबूती होती है। हालांकि हमें यह भी नहीं भूलना चाहिए कि स्मृतियों का संबंध केवल सुखद अनुभव और यादों से ही नहीं होता है। इतिहास की त्रासदियां भी इंसान के सामूहिक स्मृति का हिस्सा होती हैं। युद्ध, महामारी, विभाजन या प्राकृतिक आपदाएं, मुनष्य को न केवल गहरे तक झकझोरती हैं बल्कि लंबे समय के लिए एक टीस हो जाती हैं। फिर इन्हें याद रखना इसलिए जरूरी होता है ताकि हम भविष्य में ऐसी गलतियों को न दोहराएं।

इसलिए जरूरी है अपनी स्मृतियों से जुड़ाव: अपनी स्मृतियों से जुड़ाव बनाए रखना इस दृष्टि से नई पीढ़ी के लिए विशेष रूप से प्रभावी है, क्योंकि बच्चों और युवाओं में अपने परिवार और समाज के प्रति जो संवेदनशीलता और सामाजिक जुड़ाव का भाव आता है, वह इन स्मृतियों का ही नतीजा होता है। दादा-दादी की जीवन यात्राएं, पुराने संघर्षों की कहानियां और पारिवारिक परंपराएं, युवा पीढ़ी को जीवन के गहरे अर्थ समझाने में मदद करती हैं। लेकिन राष्ट्रीय स्मृति दिवस हमें यह भी सिखाता है कि आधुनिकता और परंपरा के बीच संतुलन बनाना भी बहुत जरूरी है। तकनीक का इस्तेमाल स्मृतियों को सहेजने के लिए तो किया जा सकता है, लेकिन अगर इसी तकनीक की चकाचौंध के गुलाम बने रहे, तो स्मृतियों को बनने का मौका नहीं मिलता।

तकनीक का हो संतुलित इस्तेमाल: आज की युवा पीढ़ी की सबसे बड़ी समस्या यह है कि वह अपने दिन का बहुत बड़ा समय, अपने मोबाइल फोन के साथ अकेले में गुजारते हैं। स्मृतियों पर यह बहुत बड़ा हमला है। जब हम अपने दिन का ज्यादातर खाली समय मोबाइल फोन को दे देंगे, तो भला हमारी याद रह जाने वाली स्मृतियां कब बनेंगी, किससे बनेंगी? इसलिए स्मृतियों के संबंध में तकनीक का अंधाधुंध इस्तेमाल थोड़ा फायदा लेकिन बहुत ज्यादा नुकसान भी देता है। क्योंकि भावनाओं का स्थान कभी तकनीक नहीं ले सकती। इसलिए हमें ध्यान रखना चाहिए कि तकनीक हमारे जीवन में इतनी अधिक हावी न हो जाए कि जो हमसे हमारी स्मृतियों को ही दूर करने लगे। *

{ दोहे / डॉ. शरद नारायण खरे }

दिन बरसाता आग

सूरज आतिश बन गया, तपे नगर सब गांव।
जीवों में अकुलाहटें, ढूंढ़ रहे सब छांव।।
लू चलती है गति लिए, बिलख रहा इंसान।
सब नदियों से छिन गई, अब बस सारी आन।।
चाबुक सड़कों पर चले, आतंकित हर एक।
दिनकर के तो आजकल, नहीं इरादे नेक।।
कूलर, पंखे हंस रहे, शीतलता का मान।
मटके ने इस पल 'शरद', पाया नवल विहान।।
किरणें ना किरणें लगें, बरस रही है आग।
बचना तुम चाहे अगर, तो लो बचकर भाग।।
कंबल अब बेकार हैं, बिरथा ऊनी वस्त्र।
किरणें हमले कर रहीं, बनकर नित ही शस्त्र।।
नीर सरीखा बह रहा, तन से बेहद स्वेद।

इस मौसम में हो रहा, हर इक जन को खेद।।
बिजली लगती है सुखद, जिससे झरती शीत।
हम तुम, सब ही कष्ट में, सुन लो मेरे मीत।।
सुबह हमें लगती भली, दिन बरसाता आग।
फिर जी-भर फुंफकारता, आतप का तो नाग।।
नीर गिरे आकाश से, देखे मानव राह।
पर अब इस पल जग रही, हर दिल से ही आह।।

{ व्यंग्य / डॉ. मुकेश असीमित }

सड़क का दर्शनशास्त्र

सड़क का भी एक दर्शन होता है, खासकर उस सड़क का, जो खुद सड़कछाप हो। वह सड़क जो कहीं टिककर नहीं रहती, हर मोहल्ले, हर मोड़, हर चुनावी वादे में आवारगी करती मिल जाती है। आजकल ऐसी सड़कें खूब चलन में हैं। चलन में इसलिए कि चलने लायक कम और दिखने लायक ज्यादा होती हैं।

सड़क साम्यवाद का जीवंत, धूल-धूसरित उदाहरण है। यहां गधे और घोड़े एक ही ताल में चलते हैं। कभी-कभी तो पहचान ही गड़बड़ा जाती है कि कौन-सा किस श्रेणी में है। पशु, पक्षी, मानव सबको सड़क समान भाव से अपनाती है। सड़क सबकी मां है। अब अगर मां की गोद में बैठकर कोई पूछे कि गधे-घोड़े का फर्क क्यों नहीं दिख रहा, तो इसमें मां का क्या दोष! सड़क तो बस बनी है आओ, चलो, दौड़ो, गिरो, रौंदो, जो लिखा लाए हो, वही होगा। आप सड़क पर हैं या सड़क पर लाए गए हैं, यह नियति का मामला है, सड़क का नहीं।

सड़क और संसद का रिश्ता भी बड़ा दार्शनिक है। आदमी कब सड़क से संसद पहुंच जाए और कब संसद से सड़क पर लौट आए, कहा नहीं जा सकता। जनता सड़क के रास्ते ही नेताओं को संसद का पता देती है और उसी रास्ते से वापसी का न्योता भी। इसलिए सड़क है तो संभावनाएं हैं धरने की, हड़ताल की, रैली की, जाम की और कभी-कभी नंगे नाच की भी। सड़क लोकतंत्र की खुली प्रयोगशाला है।

सड़क है तो गड्ढे हैं। गड्ढे हैं तो मरम्मत है। मरम्मत है तो बजट है। बजट है तो फाइलें हैं। फाइलें हैं तो अफसर का चूल्हा जलता है। सड़क सरकार का बहुउद्देशीय औजार है। शौचालय, पेशाबघर और कचरा निस्तारण की कई योजनाओं से बचा लेती है। लोग सड़क पर ही अभ्यास कर लेते हैं, और सड़क 'राइट एट योर डोरस्टेप' कचरा सेवा दे देती है बिना टेंडर, बिना उद्घाटन।

कोरोना के दिनों में जब सड़कें सूनी हुईं, तो उन्हें भी बुरा लगा। पर जल्दी ही फैक्ट्री मालिकों ने मजदूरों को निकाला और सड़कें फिर गुलजार हो गईं। मजदूरों के रेलों ने सड़कों को धन्य कर दिया, मां की गोद फिर भर गई।

सड़कें हैं तो एक्सीडेंट हैं। ट्रैफिक पुलिस का डंडा अभियान निरंतर है। चालान से जेबें भी फुल टॉस फूल रही हैं। सड़कें हैं तो फुटपाथ हैं, और फुटपाथ हैं तो उन पर सोते लोग। वरना नशे में धुत्त रईसों को कुचलने के लिए लोग मिलेंगे कहां? सड़कें ही तो हैं जो रील और सेल्फी प्रेमियों की कर्मभूमि हैं, जहां जोखिम जितना बड़ा, व्यू उतने ज्यादा।

सड़कें हैं तो सड़कछाप गुंडे भी हैं। राजनीति की प्रारंभिक पाठशाला यही है। रेहड़ियों से शुरू हुई हफ्तावसूली आगे चलकर बड़े घोटालों का पाठ्यक्रम बनती है। सड़क कैडर तैयार करती है, छुटभैये से गैंगस्टर तक।

आजकल सड़कों पर ध्यान कम है। ध्यान दें भी तो कैसे, सड़कें बड़ी बेवफा हैं। बनाई नहीं कि उखड़ने को तैयार। इतना भी सब्र नहीं कि एक चुनावी कार्यकाल पूरा हो जाए। मरम्मत का बजट पास होते-होते नेता बदल जाता है और क्रेडिट कोई और ले जाता है। समाधान सरल है हर नेता अपने नाम की सड़क बनवाए। चुनाव हार जाए तो सड़क उठाकर घर ले जाए।

सड़कें मां जैसी ही होती हैं। पान की पीक, कचरा, मल-मूत्र सब समेट लेती हैं, बिना शिकायत। अब प्रश्न उठता है मां तो सड़क है, बाप कौन? जब भी सड़क पर वाहन चालकों के बीच बहस या हाथापाई की नौबत आती है तो पहला सवाल यही पूछा जाता है, 'सड़क तेरे बाप की है क्या?' पर बाप का पता आज तक नहीं चला। मिलते ही इसकी सूचना दी जाएगी।

कभी-कभी सड़कें उधड़ती हैं ताकि शहर को ग्रामीण जीवन की झलक मिल सके कंक्रीट, धूल, मिट्टी, जमीन से जुड़े रहने का प्रशिक्षण। चिकनी सड़क पर खेलेंगे तो बच्चों की इम्युनिटी कैसे बनेगी?

सड़कें पतित-पावनी भी हैं, मोक्षदायिनी भी। प्राचीन योगियों की परंपरा आज सड़कें निभा रही हैं। कहीं दुर्गम, कहीं अदृश्य, कहीं कीचड़, कहीं खाई। हैं भी, नहीं भी-ब्रह्मस्वरूप। फाइलों में हैं, वादों में हैं, पर चलने में अकसर नहीं। न शुरुआत दिखती है, न अंत। कोई पूछे, 'यह सड़क कहां जाती है?' भाग्यशाली हैं वे जिनकी जाती है। यहां तो सालों से देख रहे हैं नजर ही नहीं आती।

सड़कें वही हैं जहां चाहो मोड़ लो, बिना शिकायत। और अगर सरकारी बजट की हों, तो नेता जी उन्हें अपने बंगले तक भी ले जा सकते हैं। सड़कछाप सड़क बस महसूस करने की चीज है। मानने की, जानने की नहीं। *

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

सामाजिक बदलाव की कहानियां

वरिष्ठ कथाकार कैलाश बनवासी का आठवां कथा संग्रह 'हवा बहुत तेज है' हाल में प्रकाशित होकर आया है। इसमें संकलित ग्यारह कहानियों में मध्य वर्गीय जीवनशैली के विभिन्न स्तरों में हाल के वर्षों में हुए बाहरी ही नहीं आंतरिक बदलावों की भी सूक्ष्म पड़ताल की गई है। शीर्षक कहानी 'हवा बहुत तेज है' के मुख्य पात्र जगन्नाथ बाबू अपने आस-पास के बदलावों, सामाजिक बहुरूपिएपन, नई पीढ़ी की सोच के बीच विस्मित नजर आते हैं तो अभूतपूर्व छल के समय में सामान्य सी ईमानदारी भी कितनी असामान्य लगती है, इसे 'एक पुराना आदमी' कहानी में प्रकट किया गया है। बाजारवाद के प्रभाव को 'दाग अच्छे हैं' कहानी में व्यक्त किया गया है। संग्रह की सभी कहानियां ठहरकर विचार करने को बाध्य करती हैं। *

पुस्तक: हवा बहुत तेज है (कहानी संग्रह), लेखक: कैलाश बनवासी,
मूल्य: 299 रुपए, प्रकाशक: राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

{ लघुकथा / डॉ. यशोधरा भटनागर }

गूंज

दरवाजा खुलते ही रात का अंधियारा मंगलू के साथ घर में घुस आया था। कच्चे-पक्के घर में चूल्हे के गहरे स्लेटी धुएं में लालटेन की रोशनी अपना प्रकाश फैलाने के लिए जूझ रही थी।

'छुटका.. ऐ छुटका! ऐ कमली..! कितै को मर गए रे सब कै सब?' लड़खड़ाते कदमों से घर में घुसते हुए मंगलू चीखते हुए बोला।

एक तीखी गंध पूरे घर में पसर गई।

आठ बरस का दीपू कमरे की कच्ची दीवार से चिपका सहमा हुआ उसे देख रहा था।

मंगलू ने जेब से आधी भरी बोतल निकाली और जोर से चिल्लाया, 'का देख रया है बे! दौड़ कै एक गिल्लास लाओ हमाए लाने।'

कुछ पल बाद दीपू स्टील का गिलास मंगलू के हाथ में थमाते हुए बोला, 'बापू, आज स्कूल में टीचर ने पूछो हतो कि हम बड़े होकर का बनेहैं?'

मंगलू ने उसको चपतियाते हुए पूछा, 'तुमने का कहौ फिर?' दीपू थोड़ी देर चुप खड़ा रहा फिर अपनी पूरी हिम्मत बटोर कर बोला, 'बापू हमने कह दओ कि हम बड़े होकर तुमाओ जैसा नहीं बनहैं।'

'टन्न...!'

टन्न की यह जोरों की गूंज, घर की कच्ची दीवारों में समा गई।

दरअसल, मंगलू ने गिलास सामने रखे खाली कनस्तर पर दे मारा था।

मंगलू ने गुस्से से दीपू की ओर देखा, बेटे की आंखें आईने की तरह साफ थीं। इन आंखों में उसे खुद का विकृत चेहरा साफ नजर आ रहा था। *

परंपरा-संस्कृति का मोहक आयोजन
तमिलनाडु का येरकौड उत्सव

दक्षिण भारतीय राज्य तमिलनाडु अपनी संस्कृति, परंपरा और लोकपर्वों के लिए मशहूर है। राज्य पर्यटन विभाग द्वारा हर वर्ष आयोजित होने वाला येरकौड उत्सव भी इन्हीं सांस्कृतिक आयोजनों में से एक है। यहां पर्यटक विभिन्न तरह के अनुभवों का आनंद ले सकते हैं। इस उत्सव की खासियतों पर एक नजर।

{ सांस्कृतिक उत्सव
धीरज बसाक }

दक्षिण भारतीय राज्य तमिलनाडु के सलेम जिले में स्थित एक प्रसिद्ध हिल स्टेशन है-येरकौड। समुद्र तल से 1500 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह हिल स्टेशन, शेवरॉय पहाड़ियों पर बसा है, जहां कॉफी, मसालों, फूलों और फलों की शानदार और सघन खेती होती है। धुंध से ढंकी पहाड़ियों व झीलों के लिए मशहूर पर्वतीय नगर येरकौड सिर्फ अपनी प्राकृतिक सुंदरता और फल-फूलों की खेती के लिए ही नहीं जाना जाता बल्कि यह जनजातीय संस्कृति, लोकनृत्य, पारंपरिक संगीत और स्थानीय हस्तशिल्प का भी गढ़ है। ये सब खूबियां मिलकर इस क्षेत्र को सांस्कृतिक रूप से बेहद समृद्ध बनाती हैं। यहां की इन्हीं खूबियों को देश-दुनिया के सामने लाने के लिए हर साल येरकौड उत्सव मनाया जाता है। आमतौर पर मई महीने के अंतिम सप्ताह में मनाया जाने वाला यह रंगीन-सांस्कृतिक उत्सव इस साल 22 मई से शुरू हो चुका है और 28 मई 2026 तक आयोजित होगा।

सांस्कृतिक अभिव्यक्ति का माध्यमः इस उत्सव की शुरुआत तमिलनाडु पर्यटन विभाग और स्थानीय प्रशासन ने मुख्यतः दो उद्देश्यों से की थी। पहला येरकौड की सांस्कृतिक पहचान और स्थानीय परंपराओं को बढ़ावा देने के लिए तथा दूसरा, पर्यटन को प्रोत्साहित करने के लिए। धीरे-धीरे यह आयोजन केवल पर्यटकों को लुभाने वाला उत्सव ही नहीं रहा बल्कि स्थानीय लोगों की सांस्कृतिक अभिव्यक्ति का प्रमुख मंच बन गया। आज इस उत्सव से जुड़कर सैकड़ों कलाकारों, किसानों, जनजातीय समुदायों, हस्तशिल्पियों, लोकनर्तकों और संगीतकारों की भी न केवल पहचान बनी है बल्कि यह उनकी समृद्धि का जरिया भी बना है। सिर्फ येरकौड की स्थानीय संस्कृति ही नहीं, तमिलनाडु की सांस्कृतिक पहचान को चमकदार बनाने में भी येरकौड उत्सव ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। येरकौड का सांस्कृतिक उत्सव शेवरॉय पहाड़ियों में रहने वाली जनजातियों की सांस्कृतिक आत्मा है।

लोकनृत्यों का भी होता है आयोजन

उनके लोकनृत्य, उनकी पारंपरिक वेशभूषा, उनका स्थानीय लोकसंगीत, रीति-रिवाज, इस उत्सव के न केवल आकर्षण हैं बल्कि उन्होंने तमिलनाडु और दुनिया के दूसरे हिस्सों को भी अपनी ओर आकर्षित किया है। यही कारण है कि दक्षिण भारत में बड़े पैमाने पर लोग इस मौके पर यहां आकर अपनी रोजमर्रा की भाग-दौड़ भरी जिंदगी के बीच आह्लादित करते सुकून के पल महसूस करते हैं।

परंपरा-आधुनिकता का संगमः उत्सव के दौरान यहां के स्थानीय कलाकार अपनी लोक-लुभावन वेशभूषाओं में जुलूस निकालते हैं तथा तमिल लोक-जीवन की शानदार झांकी प्रस्तुत करते हैं। यह उत्सव एक साथ न केवल यहां की सांस्कृतिक उत्सवधर्मिता को प्रस्तुत करता है बल्कि आधुनिक जीवनशैली और पारंपरिक लोक संस्कृति का एक लुभावना फ्यूजन भी प्रदर्शित करता है। इसलिए येरकौड उत्सव को स्थानीय संस्कृति के संरक्षण का महत्वपूर्ण जरिया माना जाता है, क्योंकि यह नई पीढ़ी को जितनी उत्सुकता और रोमांच के साथ आकर्षित करता है, उतनी ही तीव्रता के साथ पुरानी पीढ़ी को भी इस उत्सव के साथ जोड़ता है।

मनमोहक उत्सव की अनोखी छटाः तमिल लोकसंगीत, नादस्वरम, करगट्टम और कवड़ी की पारंपरिक धुनों तथा स्थानीय नृत्य प्रस्तुतियों से यह उत्सव अलौकिक अनुभूति प्रदान करता है। शाम ढलते ही पूरा शहर लोकधुनों और अलग-अलग जगहों पर हो रहे सांस्कृतिक कार्यक्रमों से जीवंत हो उठता है। इस उत्सव में हिस्सा लेने आए सैलानी संतरे का स्वाद तथा फूलों की खुशबू का खूब लुत्फ उठाते हैं। लौटते वक्त विशेष रूप से यहां की मशहूर कॉफी और कालीमिर्च जैसे मसाले अपने साथ ले जाना नहीं भूलते हैं।

आर्थिक दृष्टि से भी महत्वपूर्णः येरकौड महोत्सव सिर्फ स्थानीय लोक संस्कृति का उत्सव भर नहीं है बल्कि जीवनशैली और जीवन यापन का भी संगीतमय उत्सव है। इस उत्सव में स्थानीय फलों और कृषि उत्पादों की विशेष झांकियां लगाई जाती हैं, जिससे आने वाले पर्यटकों को शुद्ध और विशिष्ट कृषि उत्पाद तो हासिल होते ही हैं, यहां के किसानों की अच्छी-खासी आय भी इस उत्सव के जरिए हो जाती है। यहां का हस्तशिल्प भी अपनी तरह की विशिष्टता के लिए जाना जाता है। विशेषकर यहां के बांस के उत्पादों को लोग खूब पसंद करते हैं। कुल मिलाकर यह प्रकृति, स्थानीय संस्कृति और सामुदायिक जीवन का साझा उत्सव है। इसमें फूलों की खुशबू के साथ लोकधुनें गूंजती हैं और पहाड़ों की ठंडी हवाओं के साथ परंपराओं की गर्माहट का आनंद भी मिलता है। *

फ्लावर शो-बोट रेसिंग का आकर्षण

येरकौड लोक उत्सव की दो और महत्वपूर्ण खासियतें हैं, जिसमें एक है फ्लावर शो और दूसरा है नौका दौड़। येरकौड उत्सव इन दोनों आयोजनों के लिए विशेष तौर पर जाना जाता है। फ्लावर शो के दौरान यहां पाए जाने वाले सैकड़ों किस्म के खुशबूदार और रंग-बिरंगे फूलों की कलात्मक सजावट पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देती है। इस उत्सव के दौरान येरकौड झील में एक बोट रेस भी आयोजित की जाती है, जो इस उत्सव का एक विशेष आकर्षण होती है। दूर-दूर से आए पर्यटक उत्सव के दौरान नौकायन का भरपूर आनंद लेते हैं।

इस तपिश में पक्षियों को देगा राहत
थोड़ा सा दाना-थोड़ा सा पानी

इन दिनों की तपती गर्मी से हम सब इंसान ही नहीं नन्हे बेजुबान पक्षी भी बेहद बेचैन हैं। दिन के समय इनके लिए दाने-पानी को खोजना बहुत कठिन हो जाता है। इन पक्षियों की बेचैनी को कम करने के लिए हम सब उनके लिए थोड़े से दाने और पानी का इंतजाम कर उनको बड़ी राहत दे सकते हैं।

{ सरोकार / के. पी. सिंह }

तपती दोपहरी में जब धरती अंगारों की तरह दहकती है और आसमान से आग बरसती महसूस होती है, तब सबसे ज्यादा संकट, उन नन्हे परिंदों पर आता है, जिनकी चहचाहट हमारी सुबहों को जीवंत बनाती है। पानी की कुछ बूंदें और अनाज के कुछ दाने उनके लिए जीवनदायी बन सकते हैं। इसलिए अगर हम सब इन बेचैन करने वाली गर्मी के दिनों में अपने घर की छत, बालकनी या खिड़की के बाहर बने स्पेस पर एक कटोरा पानी का भरकर रख दें और उसी जगह एक मुट्ठी दाना डाल दें तो यह नन्हे परिंदों को जिंदगी की बहुत राहत देगा। यह छोटा-सा प्रयास उनके लिए सुरक्षित ठिकाना और जिंदगी का सहारा बन सकता है।

बढ़ते ताप से पक्षी होते बेहालः बीते कुछ दिनों से गर्मी का प्रकोप लगातार बढ़ रहा है। इसके चलते हम इंसानों से भी ज्यादा शहरों की सड़कों से लेकर गांव के खुले आकाश तक पक्षियों के लिए भारी संकट पैदा हो गया है। देखने में आ रहा है कि पिछले कुछ सालों से गर्मी के दिनों में तापमान में लगातार हो रही वृद्धि, पक्षियों के प्राकृतिक जीवन चक्र को बाधित कर रहा है। पहले जहां 38 से 40 डिग्री का तापमान मई के आखिरी दिनों में हुआ करता था, वहीं अब यह अप्रैल के अंतिम सप्ताह से लेकर मई के पहले सप्ताह में होने लगा है। इन दिनों तो कई जिलों में तापमान 45 डिग्री सेंटीग्रेड को भी पार कर रहा है। जब गर्मी इतनी ज्यादा पड़ती है तो छोटे पक्षियों के लिए यह बहुत चुनौती बन जाती है। उनके लिए सुरक्षित आश्रय और दाना-पानी की जबर्दस्त किल्लत हो जाती है। पक्षियों का शरीर छोटा और बेहद संवेदनशील होता है, इससे वे तापमान में हल्के बदलाव से भी प्रभावित होते हैं। गर्मियों में जब जलस्रोत सूखने लगते हैं, तो उन्हें पानी की तलाश में दूर-दूर तक उड़ान भरनी पड़ती है। इस दौरान उनकी ऊर्जा तेजी से खत्म होती है और कई बार पानी की तलाश में ही वो हीट स्ट्रोक का शिकार हो जाते हैं।

शहरी क्षेत्रों में बड़ी समस्याः शहरी क्षेत्रों में गर्मी की स्थिति और गंभीर है। कंक्रीट के जंगलों में न तो पेड़ों की छाया बची है और न ही प्राकृतिक जलस्रोत। यही कारण है कि कबूतर, गौरैया, कौआ, मैना जैसे पक्षी भी अब पानी के लिए तरसने लगे हैं। कई रिपोर्ट्स में यह सामने आया है कि हर साल गर्मियों में उत्तर भारत से दक्षिण भारत तक हजारों पक्षी सिर्फ प्यास और अत्यधिक गर्मी के कारण दम तोड़ देते हैं। तेजी से हो रहे शहरीकरण के कारण लगातार पेड़ कट रहे हैं। ये पेड़ केवल ऑक्सीजन ही नहीं देते बल्कि पक्षियों के लिए भोजन और आशियाना भी होते हैं। पुराने पेड़ जिनमें पक्षी पहले घोंसले बनाया करते थे, अब नहीं लगाए जा रहे हैं। सड़कों के किनारे अब इमारती लकड़ी वाले पेड़ लगाए जाते हैं, जिसका असर यह होता है कि सड़क किनारे पेड़ होने के बावजूद उसमें पक्षी अपना घोंसला नहीं बना पाते और न ही राहगीरों को उनसे कोई छाया मिलती है। यही कारण है कि शहरों में रहने वाली गौरैया और बुलबुल जैसी पक्षियों की हाल के सालों में काफी ज्यादा संख्या कम हुई है, क्योंकि पानी और आश्रय की कमी से इंसानों की तरह पक्षी भी लू का शिकार हो जाते हैं।

कर सकते हैं ये प्रयासः अत्यधिक गर्मी में नन्हे पक्षियों का शरीर, तापमान नियंत्रित नहीं कर पाता, जिससे वे गिरकर बेहोश हो जाते हैं। इसलिए अपनी जिम्मेदारी समझते हुए हम सबको गर्मियों में अपने घरों, अपने आंगनों, खेतों, छतों और मुडेरों यानी जहां भी संभव हो, एक कटोरा पानी और एक मुट्ठी दाने का इंतजाम पक्षियों के लिए जरूर करना चाहिए। इससे इनकी जान भी बचाई जा सकती है और हमें इससे नन्हे पक्षियों की जान बचाने की खुशी भी भरपूर मिलेगी। इससे कई तरह के तनाव और लाइफस्टाइल समस्याओं से हम मुक्त रहेंगे। सरकार और पर्यावरण संगठन इस संबंध में हालांकि कई तरह के प्रयास कर रहे हैं। पक्षी बचाओ जैसे अभियान लोगों को जागरूक कर रहे हैं। लेकिन यह सिर्फ सरकार और मुट्ठी भर गैर-सरकारी संगठनों के प्रयासों से नहीं होगा। जैसे ही गर्मियों में पारा 40 डिग्री के पार पहुंचता है, शहरी क्षेत्रों में 70 फीसदी जलस्रोत सूख जाते हैं। इसीलिए पिछले कई सालों से हर साल विशेषकर मई से लेकर जून तक देशभर में हजारों पक्षी हीट स्ट्रोक या लू से मरते पाए गए हैं। ऐसे में हम अगर अपने घर के आस-पास या कहीं भी मिट्टी के एक बर्तन में हर रोज थोड़ा पानी भरकर रख दें और उसी के आस-पास ज्वार, बाजरा और चावल जैसे कुछ दाने भी डाल दें, तो इस छोटे से प्रयास से हर साल हजारों पक्षियों की जान बचाई जा सकती है। *

गर्मी में देंगे ठंडा एहसास
ये देसी कोल्ड ड्रिंक

देश के विभिन्न हिस्सों में गर्मी से राहत पाने के लिए अलग-अलग तरह के ड्रिंक्स पीने-पिलाने का चलन है। ये देसी कोल्ड-ड्रिंक्स, टेस्टी ही नहीं हेल्दी भी होते हैं। इनमें से कुछ के बारे में यहां बता रहे हैं।

{ सीजनल डाइट
शिखर चंद जैन }

अकसर हेल्थ एक्सपर्ट्स कार्बोनेटेड कोल्ड ड्रिंक न पीने की हिदायत देते हैं। लेकिन चिंता न करें, गर्मी और उमस से राहत पाने के लिए कई तरह के देसी ठंडे पेय आप पी सकते हैं, जो न केवल प्यास बुझाते हैं बल्कि शरीर को अंदर से ठंडा रखने में भी मदद करते हैं। दरअसल, बाजार में मिलने वाले कोल्ड ड्रिंक में अत्यधिक शुगर (चीनी), कैफीन और हानिकारक केमिकल होते हैं, जो वजन बढ़ाते हैं और डिहाइड्रेशन का कारण बन सकते हैं। इनके ज्यादा सेवन से हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं। इसके विपरीत, प्राकृतिक पोषक तत्वों से भरपूर देसी ड्रिंक्स शरीर को ताजगी देते हैं और इनका शरीर पर कोई दुष्प्रभाव भी नहीं पड़ता।

लस्सी

लस्सीः गर्मी के दिनों में लस्सी तो हम सब के घरों में बनती ही रहती है। इसे बनाने में न कोई झंझट है ना ज्यादा समय ही लगता है। बस अच्छी क्वालिटी के दही में चीनी मिला लें। या फिर भुना-पिसा जीरा और काला नमक मिलाकर पी लीजिए। यह शरीर को तुरंत ठंडक प्रदान करता है।

जलजीराः जीरा, पुदीना, इमली और नीबू रस के मिश्रण से तैयार यह चटपटा पेय पाचन को सुधारता है और शरीर को ठंडा रखता है। आप चाहें तो अच्छी कंपनी का जलजीरा पावडर लाकर उसमें पुदीना, नीबू का रस मिलाकर पी सकते हैं।

आम पन्नाः इन दिनों मार्केट में कैरी (कच्चा आम) भरपूर मिल रही है। कैरी को भून कर मसल लीजिए और छान कर उस पानी में हल्की-सी चीनी, जीरा और काला नमक मिला लीजिए। यह पेय लू से बचाने में रामबाण माना जाता है।

आम पन्ना

ठंडाईः दूध, सूखे मेवे और केसर से भरपूर यह ड्रिंक विशेषकर होली के समय और गर्मियों में ताजगी के लिए पी जाती है। यह शरीर को ठंडक देने के साथ-साथ पौष्टिक भी होता है।

बेल का शरबतः पके हुए बेल के गूदे से बना यह शरबत एक बेहतरीन ठंडा पेय है और पाचन में सहायक होता है। राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार, ओडिशा और मध्य प्रदेश में इसका खूब सेवन किया जाता है।

सत्तू शरबतः भुने हुए चने के आटे (सत्तू), नीबू, पानी और नमक से बना यह पेय पौष्टिक होने के साथ-साथ पेट को ठंडा और शरीर को ऊर्जावान रखता है। यह मुख्य रूप से बिहार, झारखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश में प्रचलित है।

सत्तू शरबत

गोंधोराज घोलः यह पश्चिम बंगाल की खास छाछ है, जिसमें सुगंधित 'गोंधोराज' नामक विशेष तरह के नीबू के रस का उपयोग किया जाता है।

नीरू मज्जिगा (नीर मोर): यह पेय मुख्य रूप से आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और कर्नाटक में पिया जाता है। यह एक ठंडी छाछ है, जिसे मसाले, करी पत्ते और अदरक मिलाकर तैयार किया जाता है।

जिगरठंडाः दूध, गोंद कतीरा और नन्नारी सिरप से बना यह पेय शरीर की गर्मी को कम करने के लिए विशेष रूप से जाना जाता है। खासतौर से यह तमिलनाडु के मदुरै और उसके आस-पास के इलाकों में अधिक प्रचलित है।

पनाकमः तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में गुड़, सोंठ और इलायची से बना यह पारंपरिक पेय, त्योहारों पर विशेष रूप से बनाया जाता है और गर्मी के मौसम में राहत पाने के लिए उत्तम माना जाता है।

रागी अंबालीः कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में प्रचलित यह पेय पोषण से भरपूर और शरीर को शीतलता देने वाला होता है। यह रागी (एक प्रकार का मोटा अनाज) से बना होता है। *

रागी अंबाली

'इंडियाज बेस्ट डांसर 4' और 'नच बलिए 4' जैसे रियलिटी शोज को जज कर चुकीं करिश्मा कपूर 'इंडियाज बेस्ट डांसर 5' में भी बतौर जज नजर आएंगी। डांसिंग जज के रूप में वह कैसा महसूस करती हैं? इस शो के पांचवें सीजन में इस बार क्या खास है? भविष्य में एक्टिंग को लेकर उनकी क्या प्लानिंग है? ऐसे ही कई सवालों के जवाब दिए करिश्मा कपूर ने इस बातचीत में।

इंडियाज बेस्ट डांसर की जज बनकर मुझे बहुत मजा आ रहा हैः करिश्मा कपूर

{ खास मुलाकात / आरती सक्सेना }

अपने दौर की टॉप एक्ट्रेसेस में शुमार करिश्मा कपूर ने शादी के बाद कुछ समय के लिए अभिनय से संन्यास ले लिया था और वह पूरी तरह घर-परिवार की जिम्मेदारियों में व्यस्त हो गई थीं। लेकिन आज हालात अलग हैं, उनके बच्चे बड़े हो चुके हैं। एक बार फिर वे एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में एक्टिव हो गई हैं। जल्द ही करिश्मा, सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन और सोनी लिव पर प्रसारित होने वाले डांस रियलिटी शो 'इंडियाज बेस्ट डांसर 5' में बतौर जज नजर आएंगी। इस शो और करियर से जुड़े सवाल करिश्मा कपूर से।

आप एक बार फिर 'इंडियाज बेस्ट डांसर' सीजन 5 में बतौर जज आएंगी। इस बार इस शो में आपको किस बात ने आकर्षित किया?

इस बार इस सीजन का थीम 'इंडिया वाला डांस' है। जिसका मतलब है इंडिविजुएलिटी और सेल्फ एक्सप्रेशन, यह अपनी यूनिक शैली को अपनाने, खुद पर कॉन्फिडेंस रखने और एकदम अलग दिखने से ना डरने के बारे में है। कहने का मतलब यह है कि जब प्रतियोगी सच में अपनी कला के जरिए अपनी पहचान से जुड़ते हैं, तभी उनकी परफॉर्मेंस यादगार साबित होती है। 'इंडिया वाला डांस' की इसी सोच से इंप्रेस होकर मैं एक बार फिर इस शो से जुड़ी।

बॉलीवुड के कई सुपरहिट गानों का आप हिस्सा रही हैं। 'दिल तो पागल है' में माधुरी दीक्षित के साथ आईकॉनिक डांस, गोविंदा के साथ कई डांस नंबर्स, आज भी दर्शकों के जेहन में जिंदा हैं। ऐसे में जब इस शो में आपके डांस वाले गानों पर पार्टिसिपेंट्स परफॉर्म करते हैं तो उस समय आपका क्या रिएक्शन होता है?

'इंडियाज बेस्ट डांसर 5' में को-जजेज के साथ करिश्मा कपूर

(मुस्कुराते हुए) पुरानी यादें ताजा हो जाती हैं। बहुत खुशी होती है जब अपने डांस नंबर पर किसी को ठुमके लगाते हुए देखती हूं। मेरी फिल्मी जर्नी में डांस का अहम हिस्सा रहा है। 'इंडियाज बेस्ट डांसर' में मेरे गाने पर किया गया हर परफॉर्मेंस मुझे उन पलों की याद दिलाता है। जब पार्टिसिपेंट्स को मैं पूरी शिद्दत के साथ अपने गानों पर डांस करते हुए देखती हूं तो मुझे बहुत खुशी होती है। उनका हार्ड वर्क और डेडिकेशन इंस्पायरिंग लगता है।

आप फिल्मी बैकग्राउंड से हैं, जहां कहानी कहने में डांस ने अहम भूमिका निभाई है। ऐसे में जजिंग पैनल में आपको डांस का कौन-सा साइड अनोखा लगता है, जिसमें आप प्रतियोगी को जज करती हैं?

मेरी पूरी लाइफ फिल्मों में बीती है। 16 साल की उम्र से मैंने एक्टिंग शुरू कर दी थी। इस दौरान मैंने हमेशा डांस को एक पॉवरफुल आस्पेक्ट के रूप में देखा है। डांस न सिर्फ फीलिंग्स को एक्सप्रेस करता है बल्कि यह कहानी कहने की भी ताकत रखता है। यह शो सिर्फ डांसिंग स्टेप्स के बारे में नहीं है, बल्कि इमोशन एक्सप्रेशन और दर्शकों से जुड़ने के बारे में भी है। मैं यही नजरिया बतौर जज लाना चाहती हूं। मैं ऐसी परफॉर्मेंस देखना चाहती हूं, जो टेक्निकली सही हो, इमोशन से भरपूर और सहज हो। ऐसी परफॉर्मेंस जो दर्शकों के दिलों पर गहरा असर छोड़े।

'इंडियाज बेस्ट डांसर 5' में आपके साथ गीता कपूर, जावेद जाफरी और टेरेंस लुईस भी बतौर जज आ रहे हैं। उनके साथ आपका तालमेल कैसा है?

बहुत ही अच्छा है। शो की जजिंग के अलावा भी हम आपस में मजाक मस्ती करते रहते हैं। गीता जहां मस्तीखोर है, वहीं जावेद जाफरी का सेंस ऑफ ह्यूमर बहुत अच्छा है। इन सभी जजेज के साथ शो का हिस्सा बनने का अनुभव मजेदार है।

'इंडियाज बेस्ट डांसर' देश भर के उभरते कलाकारों के लिए एक अहम प्लेटफॉर्म बन चुका है। ऐसे में जो डांसर इस शो में भाग लेना चाहते हैं, ऐसे कंटेस्टेंट्स को आप क्या मैसेज देना चाहेंगी?

उनसे मैं यही कहना चाहूंगी कि अपने ऊपर विश्वास रखें, खुद के प्रति सच्चे रहें, कुछ ना कुछ नया सीखने की कोशिश करें, चुनौतियों का सामना करें, कभी निराश ना हों और ना ही हार मानें। एक दिन आपकी मेहनत जरूर रंग लाएगी। आपका टैलेंट आपको सब में अलग और अच्छा दिखाएगा। ऐसे लोगों का इस शो में स्वागत है। ये मंच ऐसे ही लोगों के लिए बना है, जहां आकर वह अपना डांसिंग टैलेंट पेश कर सकते हैं।

क्या आपके बच्चों को भी डांस और एक्टिंग में इंटरेस्ट है?

इस बारे में अभी तो मैं कुछ कह नहीं सकती, क्योंकि मेरे दोनों ही बच्चे फिलहाल पढ़ाई कर रहे हैं। भविष्य में वे कौन-सा करियर चुनते हैं, यह अभी से कहना मुश्किल है। *

मैं फिल्मों में भी काम करने के लिए तैयार हूं बशर्ते...

टीवी शोज के अलावा फिल्मों और वेब सीरीज में एक्टिंग को लेकर क्या प्लानिंग है, इस बारे में पूछने पर करिश्मा बताती हैं, 'फिल्म हो, ओटीटी हो या टीवी, मुझे हर जगह काम करने में कोई प्रॉब्लम नहीं है। बस मैं जो भी काम करूं वह अच्छा होना चाहिए। जैसे मैंने कुछ सालों पहले 'मेंटल हुड' और 'मर्डर मुबारक' वेब सीरीज की थी। फिलहाल मैं अभिनव देव के निर्देशन में 'ब्राउन' सीरीज कर रही हूं। फिल्मों में भी काम करने के लिए मैं तैयार हूं बशर्ते उसमें मेरा रोल मीनिंगफुल और दमदार होना चाहिए।'